



संजय श्रीवास्तव
प्रधान सम्पादक

दैनिक

यंग भारत

निष्पक्ष नज़र निर्भीक ख़बर



सहयोगी प्रकाशन/प्रसारण
दैनिक वास्तविक समाज वाद-लखनऊ
प्रमुख उर्दू दैनिक तामीरे नौ-लखनऊ

Digital Edition

वर्ष-14 अंक-274

कीर्ति शेष रामेश्वर दयाल श्रीवास्तव (लम्बरदार) की स्मृति में

उरई (जालौन) बुधवार 16 सितम्बर 2026

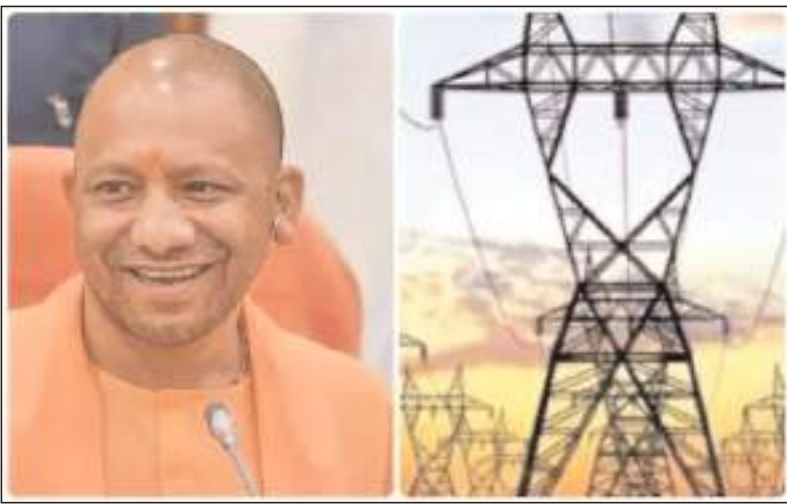
youngbharatE-paper.com

यूपी सरकार का आदेश, बिजली उपभोक्ताओं के लिए बड़ी राहत!



देश के कई कोयला उत्पादक क्षेत्रों में भारी बारिश के कारण कोयले की आपूर्ति प्रभावित हुई है। इसका असर तापीय बिजली उत्पादन पर भी पड़ा है। ऐसे चुनौतीपूर्ण माहौल में उत्तर प्रदेश सरकार ने बिजली व्यवस्था को संभालने के लिए उपलब्ध संसाधनों के बेहतर प्रबंधन पर जोर दिया है।

अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि उपभोक्ताओं को निर्धारित शेड्यूल के मुताबिक बिजली देने में किसी तरह की लापरवाही न हो। मौजूदा समय में कोयले की उपलब्धता प्रभावित होने के कारण



यूपी को सामान्य दिनों की तुलना में करीब 1500 से 2000 मेगावाट बिजली की कमी का सामना करना पड़ रहा है। इसके साथ ही प्रदेश में बिजली की मांग भी पिछले साल के मुकाबले बढ़ी है। इसके बावजूद करीब 27,000 मेगावाट तक बिजली

आपूर्ति बनाए रखने का प्रयास किया जा रहा है। सरकार को उम्मीद है कि आने वाले दो-तीन दिनों में कुछ बंद बिजली इकाइयों के दोबारा उपलब्ध होने से करीब 1500 मेगावाट अतिरिक्त बिजली मिल सकती है। इससे आपूर्ति व्यवस्था और

आपूर्ति व्यवस्था सुचारु बनी रहे। कोयले की उपलब्धता बेहतर करने के लिए संबंधित स्तर पर भी लगातार समन्वय किया जा रहा है, ताकि आने वाले दिनों में बिजली उत्पादन और आपूर्ति की स्थिति में और सुधार हो सके।

मजबूत होने की संभावना है। वहीं कोयले की सप्लाई में सुधार के चलते रात के समय बिजली उत्पादन बढ़ाने का भी प्रयास किया जा रहा है। ऊर्जा विभाग की समीक्षा में अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि जहां से भी बिजली उपलब्ध हो सकती है, वहां से संसाधन जुटाकर सप्लाई को मजबूत किया जाए। सरकार का प्रयास है कि मौजूदा संकट का असर आम उपभोक्ताओं पर कम से कम पड़े और ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में बिजली

अयोध्या में बनेगी डॉ. हरिवंशराय बच्चन मेमोरियल धर्मशाला, अमिताभ बच्चन ने सबमिट किया नक्शा

(यंग भारत न्यूज)

अयोध्या: रामनगरी अयोध्या में बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन अपने पिता और प्रसिद्ध साहित्यकार डॉ. हरिवंशराय बच्चन की स्मृति में मेमोरियल धर्मशाला बनाने की तैयारी में हैं। इसके लिए अयोध्या विकास प्राधिकरण में नक्शा स्वीकृति के लिए आवेदन किया गया है। प्रस्तावित धर्मशाला में 20 से अधिक कमरों के निर्माण की योजना बनाई गई है।

बताया जा रहा है कि अयोध्या दशरथ पथ के किनारे स्थित 'द सरयू' प्रोजेक्ट में अमिताभ बच्चन की ओर से करीब 15 करोड़ रुपये में जमीन ली गई थी। अक्टूबर तक नक्शा पास होने के बाद शुरू होगा काम: अब इसी भूमि पर मेमोरियल धर्मशाला के निर्माण की प्रक्रिया को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। एडीए में नक्शा स्वीकृति के लिए आवेदन दिए जाने के बाद नियमानुसार 15 दिन के भीतर लोगों से आपत्तियां मांगी गई हैं। आपत्तियों की समयावधि पूरी होने के बाद प्राधिकरण स्तर से नक्शे का विस्तृत परीक्षण किया



जाएगा और नियमानुसार स्वीकृति की प्रक्रिया पूरी होगी। माना जा रहा है कि यदि सभी औपचारिकताएं समय से पूरी हुईं तो अक्टूबर तक एडीए से नक्शे को हरी झंडी मिल सकती है। श्रद्धालुओं को मिलेगी ठहरने की बेहतर सुविधा: नक्शा पास होने के बाद ही प्रस्तावित मेमोरियल धर्मशाला के निर्माण कार्य की शुरुआत होने की पूरी संभावना है। इस भव्य धर्मशाला के बनने से रामनगरी अयोध्या आने वाले श्रद्धालुओं को ठहरने की एक बेहतरीन सुविधा उपलब्ध होगी। अयोध्या विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अनुराग जैन ने बताया कि अयोध्या तेजी से एक भव्य स्वरूप ग्रहण कर रही है। उन्होंने कहा कि

देश की जानी-मानी हस्तियां भी अयोध्या के इस विकास मॉडल में अपनी सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। अमिताभ बच्चन की ओर से 20 से अधिक कमरों वाली धर्मशाला के निर्माण के लिए नक्शा आवेदन प्राप्त हो चुका है। फिलहाल नियमों के अनुसार जनता से आपत्तियां मांगी गई हैं और तय समय पूरा होने के बाद परीक्षण करके स्वीकृति दी जाएगी। इस कदम से अयोध्या आने वाले देश-विदेश के श्रद्धालुओं को रुकने के लिए बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी। इस मेमोरियल धर्मशाला के निर्माण से अयोध्या के पर्यटन और नागरिक सुविधाओं में इजाफा होगा।

सैफई परिवार में अंतर्विरोध, चाचा ही सिखाएंगे भतीजे को सबक

(यंग भारत न्यूज)

आगरा: यूपी सरकार के कैबिनेट मंत्री व आगरा प्रभारी मंत्री भूपेंद्र सिंह चौधरी सोमवार को आगरा पहुंचे। मंत्री भूपेंद्र सिंह चौधरी ने सर्किट हाउस में जनप्रतिनिधियों और अधिकारिकारियों के साथ बैठक की, जिसमें सेवा संकल्प अभियान की समीक्षा की। मीडिया से रूबरू होने पर मंत्री भूपेंद्र सिंह चौधरी ने सपा मुखिया अखिलेश यादव पर जमकर निशाना साधा। कहा कि अखिलेश यादव कभी शिवपाल सिंह यादव को साथ लेकर काम करने की मनोस्थिति में नहीं रहे हैं।

उन्होंने शिवपाल सिंह यादव को अच्छे मन से अपना नेता नहीं माना है। इतना ही नहीं, प्रदेश की जनता चाचा और

अखिलेश यादव को सबक सिखाने को हैं। शिवपाल के कुछ कारणों से पार्टी का हिस्सा हैं, लेकिन परिवार में भारी अंतर्विरोध है। चाचा अपने भतीजे को सबक सिखाने बैठे हैं, जो चुनाव से पहले सामने आएगा। यूपी सरकार में सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री व आगरा के प्रभारी मंत्री भूपेंद्र सिंह चौधरी सोमवार को आगरा आए। सर्किट हाउस में जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के साथ बैठक की, जिसमें 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले 31 दिवसीय अभियान 'सेवा संकल्प अभियान-2026' को लेकर चर्चा की। कार्यक्रम, विभागवार दायित्व, नोडल अधिकारियों, स्थल चयन, कार्यक्रमों की



रूपरेखा, जनसहभागिता की तैयारियों की चर्चा की। सेवा संकल्प अभियान-2026 की नोडल अधिकारी सीडीओ श्रीमती प्रतिभा सिंह हैं। अखिलेश यादव कम्प्यूज, जयंत का समर्थन: कैबिनेट मंत्री भूपेंद्र सिंह चौधरी से जब सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव और रालोद मुखिया व केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी के बीच चल रही तनातनी पर सवाल किया तो, उन्होंने कहा कि सपा गठबंधन का धर्म निभाना नहीं जानती है। सपा का इतिहास इसका गवाह है। सन 2017 में वह किसके साथ थे, 2019 में किसके साथ थे। सन 2022 के विधानसभा चुनाव में किसके साथ थे और 2024

में किसके साथ थे। दरअसल, अखिलेश यादव कम्प्यूज हैं। कैबिनेट मंत्री भूपेंद्र सिंह चौधरी ने कहा कि जयंत चौधरी निश्चित रूप से एनडीए का हिस्सा हैं। वो हमारे पीएम मोदी और सीएम योगी के नेतृत्व में चलनी वाली विकास यात्रा में साथ हैं। सभी सहमत होकर हमारे साथ आए हैं। अगले विधानसभा चुनाव में एनडीए पूरी ताकत के साथ सपा का सूपड़ा साफ कर देगी। सपा कर रही भ्रम की राजनीति: कैबिनेट मंत्री भूपेंद्र सिंह चौधरी ने बीते दिनों अखिलेश यादव के चवनी वाले बयान पर कहा कि जाट पिछले समय लंबे समय से सपा के खिलाफ वोट डाल रहे हैं। सपा भ्रम की राजनीति कर रही है। जनता को बहकाकर राजनीति कर रहे हैं।

अखिलेश यादव कभी शिवपाल सिंह यादव को साथ लेकर काम करने की मनोस्थिति में नहीं रहे हैं। चाचा और भतीजे के संबंध कैसे रहे हैं, ये सब जग जाहिर है। कैबिनेट मंत्री भूपेंद्र सिंह चौधरी ने यूजीसी को लेकर चल रहे विरोध पर कहा कि लोकतंत्र में सबको अपनी बात कहने का अधिकार है, लेकिन जिस प्रकार से समाज में भ्रम फैलाने का समाज को तोड़ने का समाज को कमजोर करने का विदेशी पंड्यंत्र है। इसके लिए और कुछ नहीं। पार्टी कराती है सबेरे: कैबिनेट मंत्री भूपेंद्र सिंह चौधरी ने पार्टी समय समय पर सर्वे कराते हैं। अभी कौन सा सर्वे हुआ है। किसकी टिकट कटेगी। इस बारे में अभी कुछ नहीं है।

रामलीला में सीता का रोल निभाने वाली से प्यार ने बना दिया सिरफिरा डॉन

(प्रधान सम्पादक)

(यंग भारत न्यूज)

लखनऊ: यह कहानी है उत्तर प्रदेश के एक जिले गाजीपुर की, जहां की धरती से एक खूंखार गैंगस्टर डॉन निकला, जिसके नाम से कभी पाकिस्तान का आतंकी हाफिज सईद भी कांपता था। एकदम मामूली परिवार में पैदा हुआ यह डॉन और कोई नहीं, बल्कि ओमप्रकाश श्रीवास्तव यानी बबलू श्रीवास्तव है, जो इन दिनों बरेली की सेंट्रल जेल में सलाखों के पीछे आजीवन कारावास की सजा काट रहा है। बबलू श्रीवास्तव के बारे में कहा जाता है कि उसकी पैट अंडरवर्ल्ड से लेकर सियासत तक थी।

बबलू पढ़ाई में शुरू से ही तेजतर्रार था। वो पहले आईएएस अफसर बनना चाहता था, लेकिन बड़े भाई विकास श्रीवास्तव के भारतीय सेना में कर्नल बनने के बाद उसकी चाहत बदल गई। वो



भी फौजी बनने का सपना देखने लगा। आगे की पढ़ाई और तैयारी के लिए लखनऊ चला आया। बस यहीं से उसकी दुनिया बदल गई। वह अपराध की दुनिया में चला गया। यहीं पर उसकी दोस्ती अर्चना शर्मा नाम की एक लड़की से भी हुई, जो बाद में उसके गैंग में शामिल हो गई थी। दरअसल, बबलू ने लखनऊ के लॉ कॉलेज में दाखिले के बाद तैयारी शुरू कर दी। साल 1982 की बात है। कॉलेज में चुनाव हो रहे थे। उसके एक दोस्त नीरज जैन ने महामंत्री पद के लिए पर्चा दाखिल कर दिया। बबलू भी उसके लिए प्रचार करने लगा। एक दिन विरोधी गुट के साथ झगड़ा में एक छात्र को चाकू लग गया। उस वक्त लखनऊ में गैंगस्टर अरुण शंकर शुक्ला 'अन्ना' का बोलबाला था। लॉ कॉलेज में हुए झगड़े में घायल छात्र अन्ना का करीबी निकल गया। इस घटना से नाराज अन्ना ने झूठे केस में फंसाकर बबलू को जेल भिजवा दिया। इससे बबलू

के मन में अन्ना के लिए नफरत पैदा हो गई। बदले की आग ने उसकी मुलाकात अन्ना के विरोधी गैंग के सरगना माफिया रामगोपाल मिश्र से करा दी। वो पहले आईएएस अफसर बनना चाहता था, लेकिन बड़े भाई विकास श्रीवास्तव के भारतीय सेना में कर्नल बनने के बाद उसकी चाहत बदल गई। वो भी फौजी बनने का सपना देखने लगा। आगे की पढ़ाई और तैयारी के लिए लखनऊ चला आया। बस यहीं से उसकी दुनिया बदल गई। किडनैपिंग किंग के नाम से कुख्यात अरुण शंकर शुक्ला 'अन्ना' और रामगोपाल मिश्र के बीच सुलह के बाद बबलू श्रीवास्तव ने उनका गैंग छोड़ दिया। उसने एक गैंग बनाकर किडनैपिंग का काम शुरू कर दिया। उसने उत्तर प्रदेश से लेकर बिहार और महाराष्ट्र तक अपहरण और फिरोती वसूली के धंधे में अपनी पकड़ बना ली। धीरे-धीरे वो किडनैपिंग किंग के नाम से कुख्यात हो गया।

शिवम आरोपियों के जाल में फंस गया। उसने 10 लोगों के खाते खुलवा दिए। इसके बाद राहुल और जॉनदेन ने उसे ईडिजिन बैंक के एबीएम आरॉफ गौस से मिलवाया। फिर उसके नाम पर शिवम ट्रेडर्स के नाम से फर्जी फर्म रजिस्टर्ड कराया गई। फर्म रजिस्टर्ड कराने के लिए आवासीय प्रमाण पत्र की जरूरत पड़ी। आरोपियों ने कथित जीएसटी अफसर वंदना मिश्रा से मिलकर 2019 में मृत मां को जीवित दिखाकर 2024 में उनके हस्ताक्षर से फर्जी दस्तावेज तैयार कर फर्म रजिस्टर्ड करा दी। शिवम का आरोप है कि आरोपियों का सिडिकेट लोगों के साथ धोखाधड़ी करता है। फर्जी फर्म खोलकर करोड़ों रुपये की ठगी की है।

न्यायिक अधिकारियों ने संचालित दो शैल्टर होमों का किया निरीक्षण

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)।उच्च न्यायालय के निर्देशानुसार 15 सितम्बर को न्यायिक अधिकारियों ने जिले में संचालित दो शैल्टर होम राठ रोड में संचालित "वृद्धाश्रम" एवं मु. लहरियापुरवा स्थित "आश्रय-गृह" का औचक निरीक्षण किया। यहां उन्होंने बहुत बारीकी से व्यवस्थाओं को परखा और आवश्यक दिशा-निर्देश भी कर्मचारीगण को दिये। न्यायिक अधिकारियों ने उक्त दोनों आश्रय स्थलों में रह रहे आश्रितों के रहन-सहन, खानपान, चिकित्सा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, सुरक्षा और बुनियादी व्यवस्थाओं को जांचा-परखा।

सबसे पहले समाज कल्याण विभाग द्वारा राठ रोड उरई में स्वेच्छिक संस्था शिवा ग्रामोत्थान सेवा संस्था, एफ-473 गुजैनी रतनलाल नगर, कानपुर नगर के सहयोग से संचालित वृद्धाश्रम में निरीक्षण के दौरान 122 संवासी उपस्थित मिले। आश्रय गृह के हॉल में प्रवेश करने पर कई वृद्धजन श्रीमद्-भागवत कथा का श्रवण कर रहे थे।उपस्थित पंजिका के अनुसार रात्रिकालीन कर्मचारीगण एवं स्टाफ नर्स श्रीमती अर्चना को छोड़कर सभी कर्मचारीगण उपस्थित मिले।स्टाफ नर्स श्रीमती अर्चना के बारे में पूछे जाने पर प्रबन्धक द्वारा बताया गया कि स्टाफ नर्स श्रीमती अर्चना जिला अस्पताल में संवासियों के इलाज हेतु गयी हैं। वृद्धाश्रम



की संवासियों से पूछा गया कि उन्हे चाय-नाश्ता और सुबह-शाम का भोजन समय से मिल रहा है या नहीं, इस पर संवासियों द्वारा बताया गया कि भोजन निर्धारित मेन्यू के अनुसार मिल रहा हैं। वृद्धाश्रम की मेडिकल डिस्पेंसरी का निरीक्षण किया गया, जिनसे संवासियों की चिकित्सा/प्राथमिक उपचार हेतु डिस्पेंसरी में आवश्यक दवाओं के बारे में जानकारी ली गयी। पूछे जाने पर किसी भी संवासी द्वारा कोई समस्या नहीं बताई गई। इसके उपरान्त नगर पालिका परिषद उरई जनपद जालौन के सहयोग से मुहल्ला लहरियापुरवा में लखनऊ के एनजीओ द्वारा संचालित आश्रय गृह (शेल्टर होम) में न्यायिक अधिकारियों ने विभिन्न बिन्दुओं पर जांच-पड़ताल की। निरीक्षण के समय आश्रय गृह में प्रबन्धक मौजूद नहीं मिली, जिनके बारे में पूछे जाने पर चौकीदार द्वारा बताया गया कि वह अपनी बेटी के इलाज के लिये अस्पताल गये हुये हैं। यहां की आश्रित

पंजिका में निरीक्षण लिथि में कोई भी आश्रित पंजीकृत नहीं मिला। शेल्टर होम के कमरों का निरीक्षण करने पर खिड़कियां टूटी हुई मिली, जिससे किसी जहरीले कीट के अन्दर प्रवेश करने की आशंका बनी हुयी हैं।शेल्टर होम में अन्दर प्रवेश करने पर बनी हुई नाली भी टूटी हुई मिली जिसके बारे में सम्बन्धित से पत्राचार करने हेतु निर्देशित किया गया। निरीक्षण करने वाली इस अनुश्रवण समिति में अपर जिला जज प्रथम सतीश चन्द्र द्विवेदी, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अभिषेक खरे एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीमती मनाली चन्द्रा शामिल रही तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जालौन स्थान उरई के लिपिक शुभम् शुक्ला उपस्थित रहे। इसके उपरान्त उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ तथा माननीय जनपद न्यायाधीश जालौन द्वारा दिये गये निर्देशों के अनुपालन आज सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण

वामपंथी मोर्चा ने कलेक्ट्रेट में किया प्रदर्शन, राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन सौंपा

भजपा सरकार पर लगाया प्रदेश में ‘जंगलराज’ कायम करने का आरोप

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। भाजपा की केंद्र व प्रदेश सरकार की नीतियों के विरोध में मंगलवार को वामपंथी मोर्चा के नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और विभिन्न मुद्दों को लेकर अपना विरोध दर्ज करवाया। वामपंथी मोर्चा नेता विनोद कुमार नगरिया, का. देवेश चौरसिया, विनोद सिंह, विजय सिंह राठौर, गिरेन्द्र सिंह कुशवाहा, अशोक गुप्ता, भारत सिंह जाटव, आशाशाम, का. रामसिंह चौधरी, का. राजीव कुशवाहा आदि के नेतृत्व में कार्यकर्ता कलेक्ट्रेट पहुंचे। प्रदर्शन के बाद उन्होंने राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन अपर जिलाधिकारी को सौंपा।

ज्ञापन के माध्यम से नेताओं ने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश में कानून-व्यवस्था की स्थिति लगातार बिगड़ रही है और प्रदेश में पूरी तरह से जंगलराज कायम किया जा रहा है। उन्होंने सहारनपुर की घटना का हवाला देते हुए कहा कि वहां कानून के राज को तोड़ने वाली घटनाओं ने शासन-प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए हैं। वामपंथी मोर्चा नेताओं ने सरकार से कानून-व्यवस्था को मजबूत करने, आम नागरिकों को सुरक्षा देने तथा लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार नहीं किया गया तो आंदोलन को आगे भी जारी रखा जाएगा।

दो साल में ही उखड़ गई उकासा-बीजापुर सड़क, चार किलोमीटर में 400 से ज्यादा जानलेवा गड्ढे



उरई (जालौन)। जिले में नहर विभाग के निर्माण कार्यों और गुणवत्ता के दावों की पोल उकासा-बीजापुर सड़क की बदहाल स्थिति ने खोलकर रख दी है। आटा थाना क्षेत्र के अंतर्गत होने वाले इस करीब चार किलोमीटर लंबे सड़क मार्ग पर वर्तमान में 400 से अधिक छोटे-बड़े और खतरनाक गड्ढे हो चुके हैं। सड़क की हालत इतनी खराब है कि राहगीरों और वाहन चालकों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय लोगों के मुताबिक इस सड़क का निर्माण करीब दो वर्ष पहले ही कराया गया था। निर्माण के कुछ समय बाद से ही सड़क की गुणवत्ता को लेकर सवाल उठने लगे थे। अब जगह-जगह सड़क की परत उखड़ने और गहरे गड्ढे बनने से मार्ग पूरी तरह जर्जर नजर आ रहा है। लोगों का आरोप है कि निर्माण में मानकों की अनदेखी और घटिया निर्माण सामग्री के इस्तेमाल के साथ-साथ सड़क की समय से देखरेख न किए जाने के कारण यह स्थिति बनी है। चार किलोमीटर के छोटे से मार्ग पर सैकड़ों गड्ढे होना निर्माण की गुणवत्ता और विभागीय निगरानी पर गंभीर सवाल खड़े करता है। सबसे अधिक परेशानी दोपहिया वाहन चालकों को उठानी पड़ रही है। कई स्थानों पर गड्ढों के कारण वाहन अनियंत्रित होने का खतरा बना रहता है, जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। ग्रामीणों ने संबंधित विभाग के अधिकारियों से सड़क की जांच करारक निर्माण की गुणवत्ता की पड़ताल कराने तथा तत्काल मरम्मत कार्य शुरू कराने की मांग की है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते सड़क की मरम्मत नहीं कराई गई तो बरसात के बाद इसकी स्थिति और भी बदतर हो सकती है।

एआईएमआईएम की बैठक में बूथ स्तर तक संगठन मजबूत करने पर जोर

आगामी चुनाव की तैयारियों को लेकर कार्यकर्ताओं से जन-जन तक पहुंचने का आह्वान

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। गणेशगंज बजरिया स्थित मंसूरी लॉज में ऑल इंडिया मजलिस-ए-इतेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) की जिला कार्यकर्ता बैठक आयोजित की गई। बैठक में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने और आगामी चुनाव की तैयारियों को लेकर कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां सौंपने पर जोर दिया गया।

बैठक के मुख्य अतिथि बुंदेलखंड उपाध्यक्ष मौलाना सलमान अहमद कादरी रहे। अध्यक्षता जिलाध्यक्ष रईस मालिक ने की, जबकि संचालन जिला संगठन मंत्री तारिक अनवर रहमानी ने किया। इस दौरान विधानसभा उरई अध्यक्ष मु. सलीम मंसूरी ने अपनी 130 सदस्यीय कार्यकारिणी की घोषणा की। मौलाना सलमान अहमद कादरी ने कहा कि संगठन जिस उद्देश्य को लेकर लंबे समय से मेहनत कर रहा है, उसे हासिल करने का समय नजदीक आ रहा है। कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर पूरी मेहनत, लगन और निष्ठा के साथ कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि ईमानदारी से की गई कोशिश कभी बेकार नहीं जाती। जिलाध्यक्ष रईस मालिक और जिला संगठन मंत्री तारिक अनवर रहमानी ने कहा कि आगामी चुनाव में बेहतर परिणाम के लिए संगठन को नगर, ब्लॉक और विधानसभा स्तर से लेकर बूथ स्तर तक मजबूत करना जरूरी है। कार्यकर्ताओं को जन-जन तक पहुंचकर लोगों के संपर्क में रहना चाहिए और उनकी समस्याओं के समाधान में सहभागी बनना चाहिए, ताकि जनता उन्हें अपना मददगार और शुभचिंतक समझे। जिला मीडिया प्रभारी नासुक अली और विधानसभा उरई अध्यक्ष मु. सलीम मंसूरी ने कहा कि पार्टी को एक समुदाय विशेष तक सीमित बताने का प्रयास गलत और भ्रामक है। उन्होंने कहा कि पार्टी का दावा है कि वह मजलूम, शोषित तथा न्याय और अधिकार से वंचित लोगों



की आवाज उठाने के लिए काम करती है। राष्ट्रीय अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी द्वारा शिक्षा, सुरक्षा,सम्मान और संविधान की बात किए जाने का भी उल्लेख किया गया। बैठक में सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस दौरान ऐनुल हसन मंसूरी,अब्दुल रशीद, चिशती, करन सिंह चौहान, मिथुन कुशवाहा, बद्री सिंह पाल, अमोल सिंह जाटव, शिवप्रताप कुशवाहा, वृजवल्लभ गौतम,शरीफ खान,अब्दुल कदौर, रियाजुल फौजी,फहीम खान, खुशींद शाह, सबूर बेग, रईस रहमानी, मु. नईम, मु. अनवर, राजकिशोर साहू, शिवपाल सिंह गुजर, सुघर सिंह, मु. सिद्दीक, बरकत मंसूरी, असद खान,अब्दुल रहमान अंसारी, जमाल अहमद मंसूरी, साबिर मुल्ला, सईद अहमद खन्ना, तैययब खान, उवैश मंसूरी, इरफान वंश, हाजी अहसान अंसारी, इरफान शेख, नईम मंसूरी, कमर राईन, मतीन अंसारी, चांद काजी, हाजी जान मुहम्मद, हाजी मकबूल, हाजी वसीम बरकाती, जहीर खान, शाहीद मंसूरी, चांद बाबू शाह, जाहिद खान और इरशाद बथौरा आदि उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में किसान 16 रानी लक्ष्मीबाई सभागार में होगी बैठक

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। उप कृषि निदेशक ने बताया कि मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश शासन लखनऊ के शासनादेश 15.11.2019 एवं अपर मुख्य सचिव (कृषि) उत्तर प्रदेश शासन लखनऊ के शासनादेश 13.10.2022 के क्रम में 16.09.2026 दिन-बुधवार को दोपहर 12.30 बजे विकास भवन, उरई में स्थित रानी लक्ष्मी बाई सभागार में जिलाधिकारी जालौन की अध्यक्षता में 'किसान दिवस' की बैठक आहूत की गयी हैं, जिसमें कृषि एवं सिंचाई क्षेत्र से जुड़े प्रत्येक विभाग के समस्त अधिकारियों से उक्त आहूत बैठक में प्रतिभाग करने की अपेक्षा की जाती हैं। साथ ही बैठक में जनपद के कृषि प्रतिनिधियों, प्रगतिशील कृषकों को भी आमंत्रित किया जाता है।

अभियंता दिवस पर 16 इंजीनियरों ने किया स्वत्तदान

डिप्लोमा इंजीनियर्स महासंघ के शिविर में 20 ने कराया पंजीकरण, रक्तदान कर दिया सामाजिक सरोकर का संदेश

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। अभियंता दिवस के अवसर पर मंगलवार को उत्तर प्रदेश डिप्लोमा इंजीनियर्स महासंघ की ओर से राजकीय मेडिकल कॉलेज उरई के रक्तकोष विभाग में रक्तदान शिविर लगाया गया। शिविर में 20 लोगों ने पंजीकरण कराया, जिनमें 16 रक्तदाताओं ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। इंजीनियरों ने रक्तदान कर जरूरतमंदों की मदद का संदेश दिया।

राजकीय मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. अरविंद त्रिवेदी के नेतृत्व और रक्तकोष विभाग के सहयोग से आयोजित शिविर की अध्यक्षता महासंघ के जनपद अध्यक्ष बृजेंद्र कुमार ने की। सिविल डिप्लोमा इंजीनियरिंग संघ लोक निर्माण विभाग के जनपद अध्यक्ष सुनील कटियार ने शिविर में पहुंचकर रक्तदाताओं का उत्साह बढ़ाया। शिविर में संगठन के सदस्यों ने उत्साह के साथ भाग लिया। रक्तदाताओं ने कहा कि रक्तदान किसी जरूरतमंद के जीवन को बचाने में मददगार हो सकता है। अभियंता दिवस पर रक्तदान कर समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का प्रयास किया गया। रक्तकोष विभाग के डॉ. माशूक सिद्दीकी, काउंसलर राहुल कुमार, अमृता बाजपेयी, लैब टेक्नीशियन हेमलता गोस्वामी, स्टेनो सुधा कुमारी और लैब सहायक अमन कुमार सहित मेडिकल कॉलेज का स्टाफ मौजूद रहा। रक्तदान करने वालों में सहायक अभियंता अंकित कुमार सिंह, सहायक अभियंता सुमित राजपूत, शिवशंकर, भरत प्रताप, सुनील कुमार, जुगल किशोर, धीरज सचान, बृजेंद्र कुमार, रोहित कुमार, शिरोमणि सिंह, दीपक चौहान, राजकुमार, संजय रजक, अतुल कुमार पाल, राजकुमार और संदीप कुमार शामिल रहे।



कालपी विधानसभा क्षेत्र में 21 सितंबर को बसपा का विशाल कार्यकर्ता सम्मेलन

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर कालपी विधानसभा क्षेत्र में राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। बहुजन समाज पार्टी की ओर से आगामी 21 सितंबर को कालपी विधानसभा क्षेत्र में विशाल कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। सम्मेलन को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों में उत्साह दिखाई दे रहा है। सम्मेलन में कालपी विधानसभा सीट से वीरपाल सिंह चौहान के नाम की विधिवत घोषणा बसपा प्रत्याशी के रूप में किए जाने की संभावना जताई जा रही है। कार्यकर्ता सम्मेलन को सफल बनाने के लिए वीरपाल सिंह चौहान ने क्षेत्र में व्यापक जनसंपर्क अभियान तेज कर दिया है। गांव-गांव और क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों में कार्यकर्ताओं से संपर्क कर सम्मेलन में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील की जा रही है। इसके साथ ही सम्मेलन को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं को अलग-अलग जिम्मेदारियां भी सौंपी जा रही हैं। बसपा के इस सम्मेलन में बुंदेलखंड क्षेत्र के कई प्रमुख पार्टी नेताओं के शामिल होने की उम्मीद है। सम्मेलन के माध्यम से पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर कार्यकर्ताओं को चुनावी तैयारियों में जुटने का संदेश देगी। साथ ही संगठन को बूध स्तर तक मजबूत करने और मतदाताओं के बीच पार्टी की नीतियों को पहुंचाने की रणनीति पर भी चर्चा होने की संभावना है। कालपी विधानसभा क्षेत्र में होने वाले इस कार्यकर्ता सम्मेलन को आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सम्मेलन में बड़ी संख्या में बसपा कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों और समर्थकों के जुटने की संभावना है। वीरपाल



- बसपा प्रत्याशी वीरपाल सिंह चौहान के नाम की होगी विधिवत घोषणा
- सम्मेलन को सफल बनाने के लिए वीरपाल चौहान ने झोंकी पूरी ताकत
- बुंदेलखंड क्षेत्र के बसपा नेताओं की सम्मेलन में रहेगी मौजूदगी

सिंह चौहान की ओर से सम्मेलन को लेकर लगातार तैयारियां की जा रही हैं और इसे सफल बनाने के लिए पूरी ताकत झोंकी जा रही है। सम्मेलन में प्रत्याशी के नाम की औपचारिक घोषणा होने के बाद कालपी विधानसभा क्षेत्र में बसपा की चुनावी गतिविधियां और तेज होने की उम्मीद है। पार्टी कार्यकर्ताओं की नजर अब 21 सितंबर को होने वाले इस सम्मेलन पर टिकी हुई है।

प्रभारी मंत्री का भाजपा कार्यकर्ताओं तथा समर्थकों ने किया जोरदार स्वागत

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। मंगलवार को प्रदेश के गन्ना मंत्री एवं जनपद जालौन के प्रभारी मंत्री संजय सिंह गंगवार का बुंदेलखंड के प्रवेश द्वार कालपी नगर में नगर पालिका अध्यक्ष अरविंद सिंह यादव एवं नरेंद्र मोदी विचार मंच के राष्ट्रीय महासचिव अशोक वाजपेई के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं समर्थकों तथा सभासदों के द्वारा फूल माला पहनाकर जोरदार स्वागत किया गया।

लखनऊ से उरई जाते वक्त जैसे ही प्रभारी मंत्री का काफिला कालपी नगर के हाईवे रोड स्थित दुर्गा मंदिर चौराहा में पहुंचा इसी दौरान पहले से ही मौजूद नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष अरविंद सिंह यादव अशोक वाजपेई भाजपा एवं मोर्चा के नगर अध्यक्ष अंकित सिंह चौहान, रवींद्र कोठी सभासद, रियाजुल हक सभासद, आशू यादव सभासद, राकेश यादव सभासद, राजेंद्र सिंह, आशीष सिंह, शरद तिवारी, अक्षय प्रताप सिंह (नीरज ठाकुर), समेत भारी संख्या में कार्यकर्ताओं ने गगन भेजी नारे लगाकर फूल माला पहनाकर स्वागत किया। इस मौके पर मौजूद कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों का उत्साह वर्धन करते हुए प्रभारी मंत्री गंगवार ने कहा के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार के द्वारा जनता के हितों तथा प्रदेश के विकास के लिए जो लाभकारी योजनाएं चलाई जा रही है उसका जन जन तक प्रचार प्रसार करने में अपनी अगली भूमिका का निर्वाह करें।

तथ्यपरक खबरों और पारदर्शी जनशिकायत निस्तारण को प्राथमिकता- डीएम समीर वर्मा आगामी विधानसभा चुनाव को निष्पक्ष एवं निर्बाध रूप से संपन्न कराना प्रशासन की प्राथमिकता

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। नवागंतुक जिलाधिकारी समीर कुमार वर्मा ने कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित पत्रकार वार्ता में जिले की प्राथमिकताओं और प्रशासनिक कार्यप्रणाली को लेकर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं बिना किसी बाधा के संपन्न कराना जिला प्रशासन की महत्वपूर्ण प्राथमिकता होगी।

जिलाधिकारी ने पत्रकारों से संवाद करते हुए कहा कि समाचार पत्रों में प्रकाशित होने वाली खबरें तथ्यपरक एवं सत्यापित तथ्यों के आधार पर प्रकाशित की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि सही और तथ्यपरक खबरें प्रशासन तथा जनता के बीच बेहतर संवाद स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने कहा कि जनशिकायतों का निस्तारण पूरी पारदर्शिता के साथ कराना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है। जनता अपनी समस्याओं और शिकायतों के समाधान के लिए प्रशासन के पास आती है, इसलिए शिकायतों का समयबद्ध, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से निस्तारण सुनिश्चित किया जाएगा। डीएम ने कहा कि केंद्र एवं प्रदेश सरकार की विभिन्न योजनाएं तेजी से डिजिटल माध्यम से संचालित हो रही हैं। प्रशासन का प्रयास रहेगा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक बिना किसी बाधा के पहुंचे। योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता और पात्र लाभार्थियों तक लाभ पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने कहा कि जिले में विकास कार्यों, जन समस्याओं और सरकारी योजनाओं की प्रभावी निगरानी के साथ-साथ आम जनता के लिए प्रशासन की पहुंच को और बेहतर बनाया जाएगा।



प्रभारी मंत्री ने ‘सेवा संकल्प अभियान’ की तैयारियों को लेकर दिए दिशा-निर्देश

17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलेगा अभियान, सेवा, सुशासन और विकसित भारत-2047 के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने पर जोर- मा0 प्रभारी मंत्री

(यंग भारत न्यूज)

उरई। प्रभारी मंत्री/राज्यमंत्री गन्ना, विकास एवं चीनी उद्योग विभाग उ0प्र0 संजय सिंह गंगवार ने विकास भवन स्थित रानी लक्ष्मीबाई सभागार में समस्त जिलास्तरीय अधिकारियों के साथ बैठक कर शासन की प्राथमिकताओं एवं आगामी ‘सेवा संकल्प अभियान’ की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अभियान के सभी कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करते हुए अधिक से अधिक जनभागीदारी कराई जाए तथा योजनाओं के लाभार्थियों और जनपद की उपलब्धियों को प्रमाणिक रूप से सामने लाया जाए। अभियान 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक चलेगा और इसका उद्देश्य 25 वर्षों की जनसेवा की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाते हुए नागरिकों को ‘विकसित भारत-2047’ के सामूहिक संकल्प से जोड़ना है। जिलाधिकारी ने बताया कि अभियान में 12 प्रमुख कार्यक्रम, त्रिस्तरीय समन्वय व्यवस्था, साप्ताहिक समीक्षा तथा डेटा संकलन एवं डिजिटलाइजेशन पर विशेष जोर रहेगा। कार्ययोजना के अनुसार ‘आशीर्वाद का दिया’ के तहत 17 सितंबर को शाम 7 बजे दीप प्रज्वलन, रक्तदान एवं



दिव्यांगजन कल्याण कार्यक्रम होंगे। ‘मेरे सपनों का भारत’ में कक्षा 5-8 के लिए चित्रकला तथा भाषण प्रतियोगिताएं, उच्च शिक्षण संस्थानों में डिबेट और प्रदर्शनी आयोजित होंगी। ‘नमो सेवा-अनकही कहानियां’ के अंतर्गत 18-20 कलाकारों की टोलियों द्वारा गांव-गांव नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से सेवा एवं विकास की कहानी पहुंचाई जाएगी। ‘आंगन मिलन सेवा’ के तहत आंगनबाड़ी केंद्रों पर तीन दिवसीय कार्यक्रम, कार्यक्रमियों, आशा दीदियों एवं उत्कृष्ट माताओं का सम्मान, स्वस्थ बेबी प्रतियोगिता तथा पोषण सामग्री वितरण होगा। ‘सेवा की कहानी’ के तहत लाभार्थियों के जीवन में आए बदलावों पर 60 सेकंड की रील बनाई जाएंगी, जबकि डिजिटल इन्फ्लुएंसर को परिवर्तनकारी परियोजनाओं का भ्रमण कराया जाएगा।

इसी क्रम में ‘सेवा ज्योति कलश यात्रा’ के माध्यम के जरिए जल, जन और सेवा का संवाद तथा ‘सेवा मेरा योगदान’ के अंतर्गत रक्तदान, वृक्षारोपण, स्वच्छता, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल कल्याण, शिक्षा, जल संरक्षण, साइबर सुरक्षा, सड़क सुरक्षा, नशामुक्ति, पोषण, वोकल फॉर लोकल, गौशाला सेवा सहित 25 सेवा गतिविधियों में जनभागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। प्रत्येक विधानसभा में न्यूनतम दो स्थलों का कायाकल्प तथा 25 मिनट श्रमदान का प्रावधान भी है। ‘सेवा के रंग, राष्ट्र के संग’ में भारत मंडल’ एवं मानव रंगोली, ‘सेवा फर्स्ट इनोवेशन चैलेंज’ में युवाओं, विद्यार्थियों और स्टार्टअप को राष्ट्रीय मंच तथा ‘सुशासन सेवा संवाद’ में जनप्रतिनिधियों द्वारा विकसित भारत-2047 का संकल्प एवं वंदे मातरम् गायन

प्रस्तावित है। अभियान के अंतर्गत प्रमुख स्मारकों पर लेजर शो, तीर्थस्थलों पर महायज्ञ एवं विशेष अनुष्ठान, 25 सितंबर को पुस्तकालयों का लोकार्पण तथा ग्राम चौपालों के माध्यम से जनता से सीधा संवाद भी होगा। साथ ही जनपदवार महत्वपूर्ण धार्मिक-सांस्कृतिक स्थल, अवस्थापना एवं कनेक्टिविटी परियोजनाएं, शिक्षा एवं कौशल, स्वास्थ्य एवं खेल, पंचायती राज एवं सुशासन तथा हठहक्रएवं स्थानीय उद्यमियों की सफलता की कहानियों का डेटा-बैंक तैयार किया जाएगा। मा0 प्रभारी मंत्री ने अपर जिला सूचना अधिकारी को अभियान की मीडिया कवरेज, सफलता की कहानियों एवं रीलस का व्यापक प्रचार-प्रसार, प्रिंट मीडिया समन्वय, उपलब्धियों पर लेख-साक्षात्कार, सोशल मीडिया कार्ययोजना तथा इन्फ्लुएंसर प्रबंधन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम बहुत ही महत्वपूर्ण है, सभी विभाग आपसी समन्वय से अभियान को जनभागीदारी और सेवा भावना का व्यापक स्वरूप दें, ताकि सेवा, सुशासन और विकास का संदेश प्रत्येक नागरिक तक पहुंचे। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं होगी।

यूजीसी की प्रस्तावित नियमावली वापस लेने समेत विभिन्न मांगों को लेकर सवर्ण संघर्ष मोर्चा का विशाल प्रदर्शन

(यंग भारत न्यूज)

उरई । यूजीसी की प्रस्तावित नियमावली को वापस लेने समेत विभिन्न मांगों को लेकर मंगलवार को सवर्ण संघर्ष मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने जिला मुख्यालय स्थित कलेक्ट्रेट परिसर में जोरदार प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर धरना देकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और अपनी मांगों के समर्थन में आवाज बुलंद की। प्रदर्शन के बाद कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी समीर को राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपा।



ज्ञापन में संगठन ने यूजीसी की वर्तमान नियमावली को वापस लेने, आरक्षण व्यवस्था को आर्थिक आधार पर लागू करने तथा एससी-एसटी एक्ट की समीक्षा अथवा उसे समाप्त करने की मांग उठाई। संगठन का आरोप है कि वर्तमान यूजीसी नियमावली विद्यार्थियों को जातीय आधार पर विभाजित करने वाली है, जिससे सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों के सामने कठिनाइयां उत्पन्न हो सकती हैं। संगठन ने सरकार से नियमावली पर पुनर्विचार कर उसे वापस लेने की मांग की। मोर्चा की दूसरी प्रमुख मांग आरक्षण व्यवस्था में आर्थिक आधार को लागू करना रही। संगठन का कहना है कि आरक्षण का लाभ समाज के आर्थिक रूप से कमजोर और

जरूरतमंद लोगों तक पहुंचना चाहिए। साथ ही लंबे समय से आरक्षण का लाभ प्राप्त कर चुके सक्षम परिवारों की समीक्षा किए जाने की मांग की गई। संगठन ने एससी-एसटी वर्ग में भी क्रीमी लेयर की व्यवस्था लागू करने की बात कही। इसके अलावा संगठन ने एससी-एसटी एक्ट की जातीय आधार पर समीक्षा कर उसे समाप्त करने की मांग रखी। पदाधिकारियों का कहना था कि कानून के कथित दुरुपयोग को रोकने के लिए प्रभावी व्यवस्था होनी चाहिए तथा सभी वर्गों को समान कानूनी संरक्षण मिलना चाहिए। प्रदर्शन के दौरान कुलदीप सिंह गौर ने कहा कि यूजीसी नियमावली, आरक्षण व्यवस्था और एससी-एसटी एक्ट को लेकर संगठन लंबे समय से धरातल पर आवाज उठा रहा है। उन्होंने कहा कि मंगलवार का प्रदर्शन आंदोलन की शुरुआत है। यदि सरकार ने

मांगों पर गंभीरता से विचार नहीं किया तो आने वाले समय में जिले में इससे बड़ा आंदोलन किया जाएगा। उन्होंने आंदोलन को बुंदेलखंड और प्रदेश स्तर तक ले जाने की रणनीति बनाए जाने की बात कही। उन्होंने स्पष्ट किया कि संगठन किसी व्यक्ति अथवा राजनीतिक दल के खिलाफ नहीं, बल्कि उन नीतियों का विरोध कर रहा है जिन्हें संगठन समाज के लिए भेदभावपूर्ण मानता है। उन्होंने सभी को रोकने के लिए प्रभावी व्यवस्था होनी चाहिए तथा सभी वर्गों को समान कानूनी संरक्षण मिलना चाहिए। प्रदर्शन के दौरान कुलदीप सिंह गौर ने कहा कि यूजीसी नियमावली, आरक्षण व्यवस्था और एससी-एसटी एक्ट को लेकर संगठन लंबे समय से धरातल पर आवाज उठा रहा है। उन्होंने कहा कि मंगलवार का प्रदर्शन आंदोलन की शुरुआत है। यदि सरकार ने

पुलिस ने हार-जीत की बाजी लगाते 5 जुआरियों को किया गिरफ्तार, इकहतर हजार की नकदी और ताश किये बरामद

(यंग भारत न्यूज)

कालपी –उरई। पुलिस क्षेत्राधिकारी राजेश कमल के निर्देश पर इलाकाई पुलिस ने स्थानीय तहसील क्षेत्र के ग्राम भदरेखी पुलिया के पास नीम के पेड़ की आड़ में जुआ खेल रहे 5 आरोपियों को मौके से गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए आरोपियों के कब्जे से जामा तलाशी और माल फड़ मिलाकर इकहतर हजार की नकदी और ताश के पते बरामद किए गए हैं।

पुलिस सूत्रों के अनुसार 14 सितंबर 2026 को गश्त तथा देखभाल क्षेत्र के दौरान थाना आटा पुलिस टीम को मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम भदरेखी पुलिया के पास कुछ लोग हार-जीत की बाजी लगाकर जुआ खेल रहे हैं। सूचना पर विश्वास करते हुए आटा पुलिस की संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर चारों तरफ से घेराबंदी की और 5 जुआरियों को रंगे हाथों दबोच लिया। पकड़े गए आरोपियों कमलेश चौधरी 57 वर्ष, निवासी ग्राम इमिलिया बुजुर्ग थाना आटा जामा तलाशी में पिचहतर सौ बीस रुपए बरामद हुए। आरोपी आशीष उम्र 25 वर्ष निवासी मु. नया पटेल नगर उरई जामा तलाशी में चार हजार सात सौ रुपए बरामद हुएएच आरोपी वीरेन्द्र उम्र 32 वर्ष, निवासी मु. नया पटेल नगर साई मन्दिर के पास उरई जामा तलाशी में पांच हजार साठ हजार बरामद हुए। आरोपी राज वर्मा उम्र 41 वर्ष निवासी इन्द्रानगर उरई जामा तलाशी में पांच हजार नौ सौ रुपए बरामद हुए। आरोपी भोलेन्द्र सिंह उम्र 25 वर्ष निवासी रूरा अड्डा कोतवाली उरई जामा तलाशी में आठ हजार दो सौ रुपए बरामद हुए। जामा तलाशी से कुल नकदी इकतीस हजार तीन सौ अस्सी रुपए बरामद हुए,माल फड़ से कुल नकदी तीस हजार नौ सौ अस्सी रुपए बरामद हुए कुल बरामद रकम इकहतर हजार एक सौ अस्सी रुपए बरामद हुए पुलिस ने सभी 5 आरोपियों के खिलाफ जुआ अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्यवाही शुरू कर दी है।

हरा चारा, भूसा और स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता पर हो विशेष निगरानी- सचिव शिवसागर अवस्थी



माधौगढ़, जालौन। विकासखंड माधौगढ़ के अंतर्गत ग्राम पंचायत सरावन, गोहन गड़िया और कासिमपुर स्थित गोशालाओं में गोवंश के बेहतर भरण-पोषण एवं शासन की मंशा के अनुरूप व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराने को लेकर पंचायत सचिव शिवसागर अवस्थी लगातार सक्रिय हैं। सचिव द्वारा प्रतिदिन गोशालाओं का निरीक्षण कर गोवंश के लिए उपलब्ध चारा, पानी एवं अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया जा रहा है। पंचायत सचिव शिवसागर अवस्थी ने बताया कि गोशालाओं में गोवंश के लिए हरे चारे के साथ पर्याप्त मात्रा में भूसा एवं चौकर की व्यवस्था उपलब्ध है। बरसात के मौसम को देखते हुए गोवंश के लिए स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसके लिए गोशालाओं में बोरिंग की व्यवस्था कराई गई है, जिससे गोवंश को पर्याप्त एवं स्वच्छ पानी उपलब्ध कराया जा सके। उन्होंने बताया कि वर्तमान में ग्राम पंचायत सरावन की गोशाला में 193, गोहन गड़िया में 54 तथा कासिमपुर की गोशाला में 74 गोवंश का भरण-पोषण किया जा रहा है। गोवंश की नियमित देखभाल, चारा-पानी की उपलब्धता और गोशालाओं की साफ-सफाई को लेकर लगातार निगरानी की जा रही है। सचिव ने कहा कि शासन की प्राथमिकता के अनुरूप गोशालाओं में गोवंश को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए व्यवस्थाओं पर लगातार नजर रखी जा रही है। आवश्यकता के अनुसार संबंधित स्तर पर व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने का प्रयास किया जा रहा है।

2027 में कालपी सीट पर सपा का जिताऊ एवं टिकाऊ प्रत्याशी उतारने की योजना

वर्तमान विधायक के पाला बदलने से सपा नेतृत्व टिकट चयन में जुटा

(यंग भारत न्यूज)

कालपी (जालौन) । समाजवादी पार्टी का शीर्ष नेतृत्व इस बार फिर से 2027 में कालपी सीट में जिताऊ तथा टिकाऊ प्रत्याशी को मैदान में उतरने के लिए मंथन करने में जुटा हुआ है। इसके लिए कई स्तर से सर्वे भी कराया जा रहा है। कालपी सीट से लगातार तीन बार के विधायक रहने वाले पूर्व मंत्री श्री रामपाल को सपा चुनावी मैदान में उतार सकती है। लेकिन उनकी बुजुर्गी को लेकर पेंच फंस जाता हैं। इस बार सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव प्रदेश में सपा की सरकार बनाने के लिए जिताऊ तथा टिकाऊ प्रत्याशी के चयन करने में जुटे हैं। सर्व विदित है कि कालपी सीट से प्रत्याशिता की रस में पूर्व मंत्री श्री रामपाल के अलावा युवा नेत्री रश्मि पाल एडवोकेट, अमर सिंह चंदेल, प्रदीप दीक्षित, रामेंद्र त्रिपाठी जिला पंचायत सदस्य निर्दोष सिंह यादव के नाम चल रहे हैं। चूँकि कालपी सीट से श्री राम पाल गत वर्षों 1984, 1989, 1991, 1993 व



चतुर्वेदी जीतने में कामयाब रहे थे। लेकिन चतुर्वेदी सपा से अलग हो चुके हैं। गत वर्ष उरई की जनसभा में राष्ट्रीयऋ अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा था कि अगर हम पूर्व मंत्री श्री रामपाल को टिकट दे देते तो वह कालपी से जीत सकते थे।

बुजुर्ग नेता पर भरोसा करने नहीं हिवकेगी

कालपी (जालौन) । समाजवादी पार्टी नेतृत्व 2027 में प्रदेश में सरकार बनाने जिताऊ प्रत्याशी पर ज्यादा भरोसा कर रही है। ज्ञात हो कि आजमगढ़ जिले की निजामाबाद की सीट पर वर्ष 2022 के चुनाव में अखिलेश यादव ने 88 वर्षीय आलमवदी को टिकट देकर मैदान में उतारा था। जिसमें आलमवदी जीते थे। इस दृष्टिकोण से बुजुर्ग होने के बावजूद श्री रामपाल पर पार्टी भरोसा कर सकती है।

कालपी सीट में तीन लाख इकसठ हजार मतदाताओं में महिलाओं की संख्या एक लाख साठ हजार विधानसभा में 516 बूथ बने

(यंग भारत न्यूज)

कालपी –उरई। इस बार के विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर 220 कालपी विधानसभा का चुनाव जनपद में बहुत ही रोचक होने की उम्मीदें बढ़ती जा रही हैं। जनपद की कालपी सीट को सबसे महत्वपूर्ण माना जा रहा है। विधानसभा क्षेत्र में तीन लाख इकसठ हजार पांच सौ सात मतदाताओं के हाथ में नई जनप्रतिनिधि को चुनने की कमान है।

उल्लेखनीय हो कि वर्तमान स्थिति के मुताबिक कालपी विधानसभा क्षेत्र के तीन लाख इकसठ हजार में दो लाख पांच सौ एकावन पुरुष हैं। जबकि महिला मतदाताओं की संख्या एक लाख साठ हजार पांच सौ उनचास तथा अन्य मतदाता 9 है। पूरे विधानसभा क्षेत्र में पांच सौ सोलह बूथ हैं। मतदाता पंजीकरण केंद्र कालपी के प्रभारी शशांक विश्वकर्मा के मुताबिक 220 कालपी विधानसभा क्षेत्र में एक सौ बासठ बूथ जालौन तहसील के भी शामिल है। आगामी दिनों में मतदाताओं की संख्या में भी वृद्धि हो सकती है। भारत निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देशों के मुताबिक स्थानीय प्रशासन तथा निर्वाचन विभाग के द्वारा तैयारियां मुकम्मल है।

लेखपालों की मीटिंग में इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम से खरीफ फसल की पड़ताल के निर्देश दिये

कालपी –उरई। मंगलवार को नायब तहसीलदार चंद्र मोहन शुक्ला की अध्यक्षता में लेखपालों की साप्ताहिक बैठक हुई। उन्होंने लेखपालों को खरीफ फसल की पड़ताल इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम से शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिये। तथा आईजीआरएस समेत अन्य लंबित राजस्व मामलों का समय से निस्तारण करने के निर्देश दिए। लापरवाही पर कार्रवाई की चेतावनी दी।



तहसील सभागार में आयोजित बैठक में नायब तहसीलदार ने बारिश से गिरे मकानों का तत्काल सर्वे कर जांच आख्या प्रस्तुत करने को कहा, ताकि प्रभावित परिवारों को सहायता राशि दिलाई जा सके। उन्होंने कहा कि 18 सितंबर को कालपी तहसील के तालाबों का मत्स आखेट के पट्टों का आवंटन किया जाएगा। बैठक में नायब तहसीलदार प्रिंस बाबू राजपूत, राजस्व निरीक्षकों हर्षेंद्रसिंह सेंगर प्रमोद दुबे व लेखपालों शिव मंगल पाठक जितेंद्र सिंह, राघवेंद्र सिंह निरंजन योगेश कुमार, एसके महान,छविनाथ सिंह, धीरज पुरवार आदि ने सहभागिता की।

रामपुरा में अवैध तमंचा और कारतूस के साथ युवक गिरफ्तार, आर्म्स एक्ट में केस दर्ज

(यंग भारत न्यूज)

उरई। रामपुरा थाना पुलिस ने अपराध रोकथाम अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए एक युवक को अवैध तमंचा और दो जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह और अपर पुलिस अधीक्षक डॉ. ईशान सोनी के निर्देश पर जिले में अपराधियों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। माधौगढ़ के क्षेत्राधिकारी अम्बुज सिंह के पर्यवेक्षण में चल रहे इस अभियान के तहत उपनिरीक्षक लालबहादुर सिंह ने कांस्टेबल विकास यादव और सचिन कुमार के साथ जगमनपुर-औरैया मुख्य मार्ग पर यमुना नदी के जुहिया पुल के पास चेकिंग के दौरान एक संदिग्ध युवक को पकड़ा। तलाशी में उसके पास से 315 बोर का एक अवैध तमंचा और दो जिंदा कारतूस बरामद हुए। गिरफ्तार युवक की पहचान अखिलेश कुमार सेंगर उर्फ विपिन सेंगर (24) पुत्र रामशरन सेंगर, निवासी हुसेपुरा जागीर, थाना रामपुरा, जिला जालौन के रूप में हुई है। पुलिस ने रामपुरा थाने में आरोपी के खिलाफ धारा 3/25 आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया है और नियमानुसार अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

एएसपी ने थाना डकोर का वार्षिक निरीक्षण किया



उरई। अपर पुलिस अधीक्षक जालौन द्वारा थाना डकोर का वार्षिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान थाना परिसर, कार्यालय, सीसीटीवीएनएस कक्ष, अभिलेख, मालखाना, हवालात, बैरक एवं शस्त्रागार सहित विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए थाना कार्यालय के समस्त रजिस्टर, अभिलेखों की जाँच कर लंबित विवेचनाओं के शीघ्र निस्तारण, जनसुनवाई, महिला एवं साइबर अपराधों में त्वरित कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया तथा कानून-व्यवस्था सुदृढ़ रखने के साथ-साथ पुलिसकर्मियों को अनुशासन, सतर्कता एवं बेहतर पुलिसिंग के साथ आमजन की समस्याओं का प्राथमिकता से समाधान करने के संबन्ध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये।

कोटरा में गणेश जन्मोत्सव का पर्व मनाया जा रहा है श्रद्धा एवं भक्ति के साथ

(यंग भारत न्यूज)

कोटरा/उरई। कोटरा में गणेश जन्मोत्सव का पर्व श्रद्धा एवं भक्ति के साथ मनाया जा रहा है इस अवसर पर श्रद्धालु भक्तजनों द्वारा लगभग दो दर्जन से अधिक स्थानों पर गणेश प्रतिमाएं प्रतिस्थापित की गई है

कस्बा के छोटी माता मंदिर पर समिति के सदस्य , शिवम सैनी, द्वारा भगवान श्री गणेश की आकर्षक झांकी सजाई गई यहां विराजमान भगवान गणेश की मनमोहक झांकी भक्तजनों के लिए आकर्षण का केंद्र बनी हुई है

वही बिहारी जी मंदिर पर विराजमान भगवान गजानन का पंडाल आकर्षक ढंग से सजाया गया है बिहारी मंदिर के पूरे परिसर को आधुनिक झालरों से बेहद ही सुंदर ढंग से सजाया गया है यहां समिति के सदस्य सुलभ खरे, नीरज राठौर, सभासद राजू पंचाल राहुल कुमार, द्वारा आरती की जा रही हैं

वही मंडी बाजार वीआईपी कॉलोनी, कुटी के हनुमान जी मंदिर, गांधीनगर शंकर जी मंदिर, भूशेखर शंकर जी मंदिर, बस स्टैंड नगर पंचायत शंकर जी मंदिर, सहित दो दर्जन स्थानों पर पंडालों में भगवान गणेश की प्रतिमाएं विराजमान की गई है गणेश पंडालों से सुबह शाम भक्ति मय गीत बजाए जा रहे है इससे कस्बा का माहौल भक्ति में हो गया है

तीजा पर्व पर भजन कीर्तन के साथ महिलाओ ने किया रात्रि जागरण

-महिलाओ ने निर्जला व्रत रख पति की दीर्घायु की कामना की

(यंग भारत न्यूज)
कोंच सोमवार देर रात हरतालिका तीज पर्व की नगर में धूम रही। सुहागिन महिलाओं ने अखंड सौभाग्य बत्ती,पति की दीर्घायु और परिवार के सर्वमंगल की कामना को लेकर निर्जला व्रत रखा।कठिन व्रत के बावजूद महिलाओं में पर्व को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। नगर के विभिन्न शिव मंदिरों में महिलाओं ने विधि-विधान से भगवान शिव, माता गौरी, भगवान गणेश और कार्तिकेय का पूजन-अर्चन किया।हरतालिका तीज को लेकर महिलाएं सुबह से ही तैयारियों में जुट गई थीं। महिलाओं ने हाथों में रंग-बिरंगी चूड़ियां,मेंहदी एवं माथे पर बिंदिया लगाकर सोशल श्रृंगार किया। रात में व्रती महिलाओं ने केले के पत्तों से मंडप तैयार किया। इसके बाद कच्ची मिट्टी और रेत से बनाई गई भगवान शिव और माता



पार्वती की प्रतिमाओं को स्थापित कर उनका श्रृंगार किया गया। पूजन में दूध, दही, घी, शहद, शर्करा और सफेद मिष्ठान का भोग लगाया गया।नगर के भूतेश्वर मंदिर और महाकालेश्वर नायक मठ में दर्शन-पूजन के लिए महिलाओं की भीड़ उमड़ी रही। महिलाओं ने भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा कर अपने सुहाग की रक्षा तथा पति की

लंबी आयु की कामना की। पूजन-अर्चन के बाद देर रात तक मंदिरों और मुहल्लों में भजन-कीर्तन व रात्रि जागरण चलता रहा।पूरी रात महिलाओं ने शिव महिमा से जुड़े प्रसंग और धार्मिक कथाएं सुनने के साथ भक्तिमय गीतों भजन का सामूहिक गायन किया। नवविवाहिताओं और युवतियों ने उत्साह के साथ भजनों पर नृत्य भी किया। सुहागिन महिलाओं के

साथ बेटियों और युवतियों ने भी अच्छे पति और सुखी वैवाहिक जीवन की कामना को लेकर व्रत रखा।पूरी रात नगर का माहौल भक्तिमया बना रहा।मान्यता है कि माता पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त करने के लिए कठोर तप किया था। उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उन्हें पत्नी के रूप में स्वीकार किया। तभी से हरतालिका तीज पर निर्जला व्रत रखने की परंपरा चली आ रही है।पूजन के बाद व्रती महिलाओं ने अपने पति और बड़े-बुजुर्गों का आशीर्वाद लिया।बताया गया कि हरतालिका तीज का विशेष धार्मिक महत्व है और महिलाओं में इस पर्व को लेकर गहरी आस्था है। इस सुधा सोनी,मीरा सोनी,गीता देवी,कुसुम, नन्नो,पूजा,दीपा,सपना, अंजली,प्रभा सहित बड़ी संख्या में महिलाएं और युवतियां मौजूद रहीं।

गणेश मंदिर गढ़ी पर श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ, गाजे बाजे के साथ निकली भव्य कलश यात्रा

(यंग भारत न्यूज)
कोंच प्राचीन गणेश मंदिर गढ़ी पर आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के शुभारंभ से पहले भव्य कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और नगर का वातावरण भक्तिमय हो गया। श्रद्धालुओं ने जयकारे लगाते हुए यात्रा में भाग लिया।कलश यात्रा नगर के गांधी नगर स्थित प्राचीन रामलला मंदिर से प्रारंभ हुई।जो सागर चौकी, चंदकुआ, स्टेट बैंक और छावला की पुलिया होते हुए प्राचीन गणेश मंदिर गढ़ी पहुंची।यात्रा मार्ग में जगह-जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया।कलश यात्रा में श्रीमद्भागवत कथा के भगवताचार्य आचार्य मिथलेश दास महाराज रथ पर सवार होकर चल रहे थे। वहीं कथा के परीक्षित प्रभा देवी व कृष्ण कुमार सोनी अपने सिर पर श्रीमद्भागवत पुराण रखकर चल रहे थे।गणेश मंदिर गढ़ी पहुंचने के बाद विधिवत पूजन-अर्चन किया गया।इसके बाद श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ हुआ।कथा व्यास आचार्य मिथलेश दास महाराज ने श्रद्धालुओं को श्रीमद्भागवत कथा के महत्व से अवगत कराया।कथा सुनने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर परिसर में पहुंचे।आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह दिखाई दिया।भक्ति और आस्था का माहौल में नगर के गली कूचे भगवान के जयकारों से गूंज उठे।आयोजकों ने बताया कि कथा के दौरान प्रतिदिन श्रद्धालुओं को श्रीमद्भागवत के प्रसंगों का श्रवण कराया जाएगा।

धूमधाम से हुआ गणेश महोत्सव का शुभारंभ घर-घर विराजे गणपति बप्पा

(यंग भारत न्यूज)
कोंच सोमवार देर रात गणेश महोत्सव के पहले दिन नगर में श्रद्धा और उत्साह का माहौल देखने को मिला। देर शाम से ही विभिन्न मुहल्लों और प्रमुख स्थानों पर बनाए गए पांडालों में भगवान गणेश की प्रतिमाओं की स्थापना का सिलसिला शुरू हो गया। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधि-विधान से पूजन-अर्चन कर गणपति बप्पा को पांडालों में विराजमान कराया गया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान गणेश के जयकारे लगाए, जिससे पूरा नगर भक्तिमय नजर आया।नगर के प्रमुख गणेश पांडालों में प्राचीन गढ़ी मंदिर पर पालिकाध्यक्ष प्रदीप गुप्ता,विधायक पुत्र आशू निरंजन, प्रदीप पटेल अध्यापक धनौरा,विकास पटेल धनौरा सहित समिति के अध्यक्ष हरिश्चंद्र तिवारी,मंत्री निखिल सोनी,राहुल तिवारी,सुधीर सोनी,पुन्नी रिहारिया,कांती पाटकार,गामा अग्रवाल आदि ने पूजा



तिलक नगर, जयप्रकाश नगर, जवाहर नगर, गांधी नगर, मालवीय नगर, प्रताप नगर, सुभाष नगर, लाजपत नगर, सागर तालाब और ब्लॉक के पीछे समेत नगर के कई अन्य स्थानों पर पांडालों में गणपति बप्पा की प्रतिमाएं स्थापित की गईं।प्रतिमा स्थापना के बाद रात में

अर्चन किया।जयप्रकाश नगर पोद्दार भवन पर गणेश बख्का का भव्य श्रृंगार किया गया।समिति के अध्यक्ष कान्हा सोनी,मंत्री लाभ सोनी,उपाध्यक्ष अंश सोनी ,उपमंत्री अग्रिम, कोषाध्यक्ष अम्बर आदि ने पंडाल को भव्य रूप से सजाया,पंडा अमित सोनी ने पूजा अर्चना की।इसी क्रम में चंदकुआ स्थित भूतेश्वर मंदिर बाड़ा,पटेल नगर में 'पटेल नगर के राजा' के नाम से भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित की गई। यहां भी प्रतिमा स्थापना को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह दिखाई दिया। इसके अलावा भगत सिंह नगर, पटेल नगर,

श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से भगवान गणेश की आरती की। 'जय गणेश, जय गणेश, जय गणेश देवा, माता जाकी पार्वती, पिता महादेवा' के जयघोष और आरती से वातावरण भक्तिमय हो गया। श्रद्धालुओं ने भगवान गणेश से परिवार की सुख-शांति, समृद्धि और नगर के कल्याण की प्रार्थना की।आरती के पश्चात श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। गणेश महोत्सव के पहले दिन नगर के विभिन्न पांडालों में देर रात तक भक्तों की आवाजाही बनी रही और गणपति बप्पा के जयकारे गूंजते रहे।

गणेश महोत्सव को लेकर प्रशासन अलर्ट एसडीएम,सीओ ने पंडालो का निरीक्षण कर सुरक्षा का जायजा लिया

(यंग भारत न्यूज)
कोंच नगर में गणेशोत्सव को लेकर प्रशासन सतर्क है। सोमवार देर शाम एसडीएम अभिनव कुमार और सीओ परमेश्वर प्रसाद ने नगर में स्थापित गणेश पंडालों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अधिकारियों ने पंडालों में सुरक्षा व्यवस्था, श्रद्धालुओं की सुविधा और आयोजन से जुड़ी तैयारियों को देखा।इस दौरान उन्होंने गणेशोत्सव समितियों के आयोजकों से बातचीत कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। अधिकारियों ने आयोजकों से कहा कि गणेश पंडालों में भीड़ को देखते हुए सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम रखे जाएं। पंडाल के आसपास किसी प्रकार की अव्यवस्था न होने दी जाए और श्रद्धालुओं के आगमन के लिए रास्ता सुचारु रखा जाए। साथ ही बिजली के तारों और अन्य व्यवस्थाओं को लेकर भी विशेष सावधानी बरतने के अधिकारियो ने निर्देश दिए।एसडीएम अभिनव कुमार और सीओ परमेश्वर प्रसाद ने आयोजकों से कहा कि गणेशोत्सव के दौरान प्रशासन की ओर से जारी दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित किया जाए। किसी भी स्थिति में कानून व्यवस्था प्रभावित नहीं होनी चाहिए। उन्होंने समितियों से अपील की कि आयोजन को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने में प्रशासन का सहयोग करें। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने पंडालों में मौजूद आयोजकों से व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी भी ली और आवश्यक सुधार के निर्देश दिए। प्रशासनिक अधिकारियों के नगर में पंडाल निरीक्षण से गणेशोत्सव को लेकर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सक्रियता नजर आई।इस मौके पर सदर लेखपाल दिग्विजय सिंह सहित पुलिस सह मौजूद रहा। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि गणेशोत्सव के दौरान नगर की सुरक्षा व्यवस्था और शांति बनाए रखने के लिए लगातार निगरानी की जाएगी।



तहसील क्षेत्र के लेखपालो ने बच्चियों को राशन और आर्थिक सहायता दी

(यंग भारत न्यूज)
जालौन-उरई। राग सोंगपुरा में माता पिता की मृत्यु के बाद दादी की भी मृत्यु होने के बाद बेसहारा हुई छह बहनों के मामले में तहसील क्षेत्र के लेखपालों ले बच्चियों को राशन और आर्थिक सहायता दी है। साथ ही घर और शौचालय का लाभ दिलाने का भी आश्वासन दिया है। ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम सोंगपुरा निवासी विजय सिंह बरार का वर्ष 2023 में बॉमारी के चलते निधन हो गया था। उनकी छह बेटियां थीं। जिनमें अंजली (14) सबसे बड़ी, दिव्या (12), प्रतिज्ञा (10), शिवांगी (8), रंदिनी (7), पलक (5), दीक्षा (4) और दो बेटियां हैं। पिता मजदूरी कर कच्चे मकान में परिवार का भरण पोषण करते थे। लेकिन उनके निधन के बाद मां रामसिंहा ने बेटियों की जिम्मेदारी उठानी चाही लेकिन एक माह बाद ही उनका भी निधन हो गया। अब बेटियों का एकमात्र सहारा उनकी दादी थीं। दादी किसी तरह बेटियों को पाल रही थीं। लेकिन रविवार को उनका भी देहांत हो गया। दादी के देहांत के बाद सभी बच्चियां बेसहारा हो गई हैं। यह जानकारी जब सदर लेखपाल वैभव त्रिपाठी को हुई तो उन्होंने लेखपालों के साथ मिलकर बच्चियों की मदद का बोज़ा उठाया। उन्होंने गांव पहुंचकर बच्चियों को 11000 रुपये का राशन, बर्तन, सिलिंडर आदि दिलाया। साथ ही बच्चियों के लिए 50,700 रुपये की सहायता दी। जिसमें 700 रुपये उन्हें नकद दिए गए साथ ही 50000 रुपये बच्चों की सहमति से काफ़ाउंट में जमा किए जाएंगे। सदर लेखपाल ने बताया कि कच्चे घर की जर्जर स्थिति को देखते हुए ग्राम प्रधान व परिजनों से घर के अंदर समतलीकरण कराने के लिए कहा गया। साथ ही आश्वासन दिया कि घर बनाने के लिए आवास और शौचालय दिलाया जाएगा। यह रहत पाकर बच्चियों ने राहत महसूस की है। इस मौके पर लेखपाल पूजा राजपूत, वैभव त्रिपाठी, मयंक यादव, आकाश तिवारी, सुधा अग्रवाल, अभिनाश द्विवेदी, विक्रान्त आदि मौजूद रहे।

विरासत प्रमाणपत्र को लेकर लेखपाल कक्ष में अधिवक्ता और लेखपालो में भिड़ंत आपस में हो रही गाली-गलौज का वीडियो वायरल

(यंग भारत न्यूज)
कोंच तहसील परिसर स्थित लेखपाल कक्ष में मंगलवार को विरासत प्रमाण पत्र बनवाने को लेकर अधिवक्ता और लेखपालों के बीच विवाद का मामला सामने आया है। विवाद के दौरान दोनों पक्षों में गाली-गलौज और खींचतान हुई। घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।वायरल वीडियो की स्वदेश समाचार पत्र पुष्टि नहीं करता है।बताया जा रहा है कि एक किसान पिछले करीब छह माह से अपना विरासत प्रमाण पत्र बनवाने के लिए लेखपाल के चक्कर काट रहा था। किसान की ओर से अधिवक्ता प्रमाण पत्र बनवाने के संबंध में लेखपाल के पास पहुंचे थे। इसी दौरान किसी बात को लेकर अधिवक्ता और लेखपालों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते मामला गाली-गलौज और खींचतान तक पहुंच गया। वायरल वीडियो में दोनों पक्ष एक-दूसरे से उलझते नजर आ रहे हैं। सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची, लेकिन पुलिस की मौजूदगी में भी अधिवक्ता और लेखपाल आपस में भिड़ते दिखाई दिए। घटना के बाद तहसील परिसर में काफी देर तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।मामले में अधिवक्ता अभिषेक खरे ने अपनी बात रखी। घटना का वीडियो सामने आने के बाद अब पूरे मामले की जांच और कार्रवाई को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।



नकली सोने चांदी के जेवर देकर युवक से की पन्द्रह हजार सहित मोबाइल की ठगी पीड़ित युवक ने की पुलिस से शिकायत

(यंग भारत न्यूज)
कोंच कोतवाली क्षेत्र में बस स्टैंड पर एक युवक से कथित तौर पर नकली सोने-चांदी के आभूषण का झांसा देकर 15 हजार रुपये और मोबाइल फोन छीनने का मामला सामने आया है। मध्य प्रदेश के भिंड जिले के मासपुरा निवासी बॉबी पुत्र कमलेश ने मंगलवार को पुलिस को शिकायती पत्र देकर ठगो के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।पीड़ित ने बताया कि वह 15 सितंबर 2026 को करीब सात बजे कानपुर से अपने गांव मारपुरा जा रहा था।तभी कोंच में बस स्टैंड पर पानी पीने के लिए उतरने के दौरान कुछ लोग उसके पास पहुंचे और सोने-चांदी के आभूषण दिखाते हुए उन्हें सस्ते दाम पर देने की बात कहने लगे। आरोप है कि आभूषण फर्जी होने के बावजूद लोगों ने उसे सामान लेने के लिए मजबूर किया। विरोध करने पर कथित आरोपियों ने उससे 15 हजार रुपये और रियलमी मोबाइल फोन जबरन छीन लिया।बॉबी ने बताया कि वह अपनी बहन के लिए मोरछ्ट देने जा रहा था और इसी के लिए रुपये लेकर निकला था। घटना के बाद उसने आसपास मौजूद लोगों को पूरी जानकारी दी। पीड़ित का कहना है कि कुछ लोगों ने आरोपियों के कांशीराम कालोनी के निवासी होने की जानकारी दी। पीड़ित ने पुलिस से सीसीटीवी फुटेज की मदद से आरोपियों की पहचान कर रुपये और मोबाइल बरामद कराने की मांग की है।



घर में घुसकर मारपीट गाली-गलौज व जान से मारने की धमकी को लेकर मुकदमा दर्ज

(यंग भारत न्यूज)
कालपी –उरई। बीते दिनों पहले स्थानीय तहसील क्षेत्र कालपी के थाना आटा अंतर्गत ग्राम अकबरपुर इटौरा में घर के अंदर घुसकर गाली-गलौज, मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़ित की तहरीर के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थाना आटा में पीड़ित जंग बहादुर उर्फ बच्चन पुत्र भोला निवासी अकबरपुर इटोरा ने मुकदमा दर्ज कराते हुए अवगत कराया कि 12 सितंबर 2026 की रात लगभग 10:00 बजे गांव के ही आरोपी हिमलेश और प्रदीप पुत्रगण बैजनाथ उनके घर के अंदर जबरन घुस आए और गाली-गलौज करने लगे। पीड़ित की पत्नी सरोज द्वारा विरोध करने पर दबंगों ने उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। बीच-बचाव करने आई पीड़ित की दो बेटियों के साथ भी दोनों आरोपियों ने मारपीट की। घटना के समय जब पीड़ित जंग बहादुर खुद घर पहुंचे, तो दोनों आरोपी भाइयों ने मिलकर उनके साथ भी जमकर मारपीट की। मारपीट के दौरान पीड़ित की पत्नी के कान का वाला आभूषण गिरकर गुम हो गया, वहीं दबंगों ने घर की लाइट की केबल भी तोड़ दी। जाते-जाते आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए रातभर गाली-गलौज करते रहे। पीड़ित जंगबहादुर ने बताया कि आरोपी हिमलेश आपराधिक प्रवृत्ति का व्यक्ति है और वह धारा 307 का आरोपी रह चुका है पुलिस ने सुसंगत धाराओं में मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई व जांच शुरू कर दी है।

अधिक बारिश से खरीफ की फसल बर्बाद, किसानों ने मांगा मुआवजा

(यंग भारत न्यूज)
कोंच तहसील क्षेत्र के ग्राम पड़री, भदारी, सिकरी, गुरावती सहित लगभग समूचे तहसील क्षेत्र में अधिक बारिश एवं जलभराव के कारण तिल की फसल पूरी तरह नष्ट होने गयी है। किसानों का कहना है कि खेतों में पानी भर जाने से तिल की फसल सौ प्रतिशत बर्बाद हो गई है। इससे किसानों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है और आगामी रबी की फसल की बुआई के लिए भी उनके पास पर्याप्त संसाधन नहीं बचे हैं। इस संबंध में भारतीय किसान यूनियन कोंच की ओर से उपजिलाधिकारी अभिनव कुमार को शिकायती पत्र देकर दैवीय आपदा राहत कोष से प्रभावित किसानों को आर्थिक सहायता दिलाने की मांग की गई है। किसानों ने बताया कि लगातार हुई बारिश से खेतों में जलभराव हो गया, जिससे तिल की फसल पूरी तरह खराब हो गई है। शिकायती पत्र में पड़री, भदारी, गुरावती, सिकरी कोंच बदनपुरा में हुए नुकसान का उल्लेख किया गया है। किसान प्रमोद कुमार, हरगोविंद, श्रीकांत शरण, सीताशरण, नीला कुमारी समेत अन्य प्रभावित किसानों ने प्रशासन से शीघ्र सर्वे कराकर उचित मुआवजा दिलाने की मांग की है।



चक्की चोरी के मामले में चार संदिग्धों पर मुकदमा दर्ज

(यंग भारत न्यूज)
कोंच पुलिस अधीक्षक के आदेश के बाद कोतवाली पुलिस ने चक्की चोरी के मामले में चार संदिग्धों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।ज्ञात हो कि एक माह पहले 16 अगस्त को कोतवाली क्षेत्र के ग्राम तीतरा खलीलपुर में ब्यौना झीलरा रोड पर प्रदीप कुमार की आटा चक्की में चोरों ने ताले चटका कर 9 बोरी आटा, 3 बोरी गेहूँ, बांट, ग्राइंडर, रिंच पाना तथा मीटर चोरी कर ले गए गए थे। प्रदीप ने कोतवाली पुलिस को तहरीर दी लेकिन पुलिस ने मामले में रिपोर्ट दर्ज नहीं की थी।पीड़ित प्रदीप मुकदमा दर्ज कराने के लिए कोतवाली के बराबर चक्कर लगाता रहा।रविवार को कोतवाली में परिवार परामर्श केंद्र का उद्घाटन करने आए पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह के समक्ष प्रमोद ने रिपोर्ट दर्ज करने की गुहार लगाई।एसपी ने तत्काल कोतवाली पुलिस को रिपोर्ट दर्ज करने के निर्देश दिए।उसके बाद प्रमोद की तहरीर पर चार संदिग्धों कृष्णाबाबू, पर्वत सिंह, लकी व अरविंद कुमार निवासी तीतरा खलीलपुर के खिलाफ कोतवाली पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है

तहसील कार्यालय में एसडीएम ने गंभीरता से सुनीं जनसमस्याएं फरियादियों की समस्याओं को प्राथमिकता से निस्तारित करने के संबंधित अधिकारियों को दिए निर्देश

(यंग भारत न्यूज)
माधौगढ़, जालौन। तहसील कार्यालय माधौगढ़ में मंगलवार को उपजिलाधिकारी मनोज प्रकाश ने अपने कार्यालय में पहुंचे फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुना। विभिन्न क्षेत्रों से अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे लोगों ने राजस्व, भूमि विवाद, रास्ते, सरकारी योजनाओं सहित अन्य मामलों से संबंधित शिकायतें उपजिलाधिकारी के समक्ष रखीं। उपजिलाधिकारी मनोज प्रकाश ने प्रत्येक फरियादी की बात को ध्यानपूर्वक सुनते हुए संबंधित प्रकरण की जानकारी ली तथा समस्याओं के शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जनसामान्य की समस्याओं के निस्तारण में किसी प्रकार की सुनिश्चित करें। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिन शिकायतों में स्थलीय निरीक्षण की आवश्यकता है, उनमें मौके पर जाकर वास्तविक स्थिति की जांच की जाए और निष्पक्ष रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाए। साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि शिकायतों के निस्तारण में गुणवत्ता और पारदर्शिता का विशेष ध्यान रखा जाए।



ट्रैक्टर-ट्रॉली से बाइक की टक्कर,दो घायल मेडिकल कालेज रेफर

(यंग भारत न्यूज)
कोंच तहसील क्षेत्र के थाना नदीगांव के ग्राम अखनीवा के पास सोमवार रात सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवक घायल हो गए। हादसा उस समय हुआ, जब तीन युवक एक ही बाइक से मध्य प्रदेश स्थित रतनगढ़ माता मंदिर से दर्शन कर अपने घर लौट रहे थे। रास्ते में सामने से कार आने के कारण बाइक सड़क किनारे खड़े अज्ञात ट्रैक्टर-ट्रॉली से जा टकराई। जानकारी के अनुसार दिनेश पुत्र कुपाल निषाद उम्र करीब 30 वर्ष निवासी ग्राम परासन थाना आटा, उमाशंकर पुत्र बैजनाथ उम्र करीब 28 वर्ष तथा गोविन्द सिंह पुत्र लटोरा निषाद निवासी गण ग्राम होमनपुरा थाना कदौरा मोटरसाइकिल संख्या यूपी 93 एन 7910 से घर वापस लौट रहे थे। जैसे ही वे नदीगांव थाना क्षेत्र के ग्राम अखनीवा के पास पहुंचे तभी सामने से कार आने पर रास्ते में खड़ी ट्रैक्टर-ट्रॉली से बाइक टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक सवार सड़क पर गिर पड़े। हादसे में दिनेश को अंदरूनी चोटें आईं, जबकि उमाशंकर का बायां पैर और बायां हाथ फ्रैक्चर हो गया। उसके मुंह में भी चोट आई हैं। वहीं गोविन्द सिंह को हादसे में कोई चोट नहीं आई। घटना की सूचना मिलते ही नदीगांव थानाध्यक्ष राजकुमार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नदीगांव पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार किया। हालत गंभीर होने पर दिनेश और उमाशंकर को बेहतर इलाज के लिए मेडिकल कालेज उरई रेफर कर दिया गया। पुलिस ने घायलों के परिजनों को सूचना दे दी है।



ज्वेरेव ने फाइनल में शेल्टन को हराया

ज्वेरेव ने जीता यूएस ओपन का खिताब

नई दिल्ली

शीर्ष नरीयता प्राप्त अमेरिकन ज्वेरेव ने मौजूदा वर्ष में अपना करियर का प्रदर्शन जारी रखते हुए पहली बार अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल का खिताब जीता। ज्वेरेव ने फाइनल में अमेरिका के बेन शेल्टन को 6-3, 7-6 (2), 5-7, 6-2 से हराया। इस तरह से अमेरिकी पुरुष खिलाड़ियों का यह स्लेम खिताब जीतने का लंबा इंतजार जारी है। अमेरिका का कोई भी पुरुष खिलाड़ी 2003 के बाद किसी ग्रैंड स्लेम टूर्नामेंट में एकल का खिताब नहीं जीत पाया है। जर्मनी के ज्वेरेव का यह इस साल का दूसरा ग्रैंड स्लेम खिताब है। उन्होंने इससे पहले फ्रेंच ओपन का खिताब जीता था।

शेल्टन नहीं उठा पाए दर्शकों के समर्थन का फायदा

पहली बार किसी ग्रैंड स्लेम टूर्नामेंट में शीर्ष नरीयता प्राप्त खिलाड़ी के रूप में खेल रहे ज्वेरेव ने शेल्टन की खराब शुरुआत का पूरा फायदा उठाया तथा दूसरे सेट के ट्राईब्रेकर में अपनी सर्विस पर किसी भी त्रुटि की गलती नहीं की। शेल्टन को दर्शकों का अपार समर्थन मिल रहा था लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा पाए।



ज्वेरेव ने जीता साल का दूसरा ग्रैंड स्लेम खिताब

खेल का माहौल शानदार था

ज्वेरेव ने कहा, 'मुझे पता है कि अब 99.9 प्रतिशत लोग मेरा जीतने देखना चाहते थे, इसलिए सबसे पहले तो मुझे बहुत खेद है। लेकिन खेल का माहौल शानदार था।'

आप दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

शेल्टन ने ज्वेरेव से कहा, 'आप दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक हैं। शायद इस साल के दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी हैं।'

शेल्टन

शेल्टन के खेल से दर्शक हुए निराश



मेच में पहले एक सेटपाइन खेलते हुए पहले से दर्शकों से खड़े होकर उनका अभिवादन किया लेकिन दर्शक जवाब नहीं दिए। शेल्टन को यह दर्शकों के प्रति अपने खेल में बदलाव करने की जरूरत पड़ी। उन्होंने कहा, 'मुझे लगा है कि मेरा खेल बेहतर है कि मैंने दिखाया है। लेकिन दर्शक नहीं देख रहे हैं। मैंने बहुत अच्छा खेल रखा है।'

विंबलडन में सिनर से हारे थे ज्वेरेव

ज्वेरेव इस साल विंबलडन के फाइनल में भी पहुंचे थे, जहां उन्हें नोवैक पिकर से हार का सामना करना पड़ा था। सिनर को पहले से सेट के दौरान टूर्नामेंट से हटाया गया जिससे ज्वेरेव को शीर्ष नरीयता मिल गई। उन्होंने कहा, 'मुझे लगा है कि मेरा खेल बेहतर है कि मैंने दिखाया है। लेकिन दर्शक नहीं देख रहे हैं। मैंने बहुत अच्छा खेल रखा है।'

55 लाख डॉलर की इनामी राशि मिली

इस साल ग्रैंड स्लेम सीरी में ज्वेरेव का निर्धारित 25-3 हो गया है। उन्हें 55 लाख डॉलर की इनामी राशि मिली, जो ग्रैंड स्लेम टूर्नामेंट में सबसे अधिक है। महिला टेनिस फेडरेशन द्वारा बताया गया है कि ज्वेरेव को 2026 में अमेरिकी ओपन खिताब जीतने का यह स्लेम खिताब जीतने का लंबा इंतजार जारी है। अमेरिका का कोई भी पुरुष खिलाड़ी 2003 के बाद किसी ग्रैंड स्लेम टूर्नामेंट में एकल का खिताब नहीं जीत पाया है। जर्मनी के ज्वेरेव का यह इस साल का दूसरा ग्रैंड स्लेम खिताब है। उन्होंने इससे पहले फ्रेंच ओपन का खिताब जीता था।

डब्ल्यूटीए रैंकिंग

टेनिस की नई क्वीन बनीं रायबाकिना

नई दिल्ली



रायबाकिना को जेरी रायबार्डिक डब्ल्यूटीए रैंकिंग में वर्ल्ड नंबर वन की परीक्षा कराई। उन्होंने अपने प्रदर्शन को बांध फ्लोर रायबाकिना अतिरिक्तिक और एडवर्ड को बर्द कर दिया। महिला टेनिस खिलाड़ी का यह है। 2018 से ही रायबाकिना ने डब्ल्यूटीए ओपन क्वार्टर फाइनल में विंबलडन खेल को हराने की खेद है। रायबाकिना को टीएफ स्पोर्ट्स प्रोडक्ट्स द्वारा का कमांडिगमन को उदार खिलाड़ी में फाइनल में रायबाकिना को हराकर इस टूर्नामेंट का सम्मान किया। रायबाकिना डब्ल्यूटीए रैंकिंग में वर्ल्ड नंबर 1 बनने वाली कजाकिस्तान की पहली पुरुष या महिला खिलाड़ी का यह है।

सबलेका से छीना ताज

पूरे सीजन में रायबाकिना प्रदर्शन के कारण वह अमेरिकन के कपड़े करीब बनीं। उन्होंने जकार्ता टेनिस स्टाफ का पहना सीजन के बीच में खेद कर दिया था। जहां सीजन के बीच में रायबाकिना को एक खिलाड़ी नहीं दिखाई। उन्होंने खेल के अतिरिक्त ही टीएफ पर टूर्नामेंट को और बढ़ा रही थी। उन्होंने इसे खेल सीजन के बीच में सीधे अमेरिकन स्पोर्ट्स स्टाफ द्वारा रायबाकिना प्रदर्शन किया और उसके बाद खिलाड़ियों (एथलीट) में से रायबाकिना हरिन को नंबर 1 पोजीशन प्रदान होने पर दिखाई देने पर दिखाई दी थी।

यह इतिहास है : रायबाकिना

रायबाकिना ने कहा, वह इतिहास है और मुझे वाजकिस्तान का प्रतिनिधित्व करने पर बहुत गर्व है। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैंने प्रेक्किशन करनी या इनमें बड़े सच पर इन तरह के टूर्नामेंट खेलूंगी।

स्वच्छ संक्षेप



टी20 सीरीज से बाहर हुए स्पिनर वरुण चक्रवर्ती

नई दिल्ली। भारतीय स्पिनर वरुण चक्रवर्ती कोट के कारण अफगानिस्तान के खिलाफ चल रही टी20 सीरीज से बाहर हो गए और इस चोट के चलते आगामी एशियाई खेलों में उनके खेलने पर भी संशय पैदा हो गया है। चक्रवर्ती हाल में पैर की पार्श्वशक्ति में खिंचाव की चोट से ठीक हो, जो उन्हें जुलाई में इंग्लैंड दौरे के दौरान लगी थी। उन्होंने स्पिनर को अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज के पहले मुकाबले में एक विकेट लिया था।

क्षेत्ररक्षण में कड़ी मेहनत कर रही टीम : मजूमदार

दुबई। भारतीय महिला क्रिकेट टीम के मुख्य कोच अमोल मजूमदार ने एशिया कप में टीम के क्षेत्ररक्षण में खराब प्रदर्शन को खोसा करवाया नहीं दी और कहा कि खिलाड़ी इस विभाग में सुधार करने के लिए



कड़ी मेहनत कर रहे हैं। मजूमदार ने कहा, 'निश्चित तौर पर सुधार की गुंजाहूर है। लेकिन इसके बावजूद हमने बहुत अच्छा क्षेत्ररक्षण किया।' उन्होंने कहा, 'हम इस विभाग में कड़ी मेहनत कर रहे हैं। हमने इसके कोचों को समझा दिया है और बहुत अभ्यास भी किया है। हम इसे बेहतर बनाने के लिए अपनी पूरी मेहनत और ईमानदारी से प्रयास कर रहे हैं।' मजूमदार ने रणनीति के बदलावों के अतिरिक्त प्रदर्शन नहीं करने के कारण जताई जा रही निंदा को भी खारिज कर दिया।

शेर-ए-पंजाब टी-20 लीग की चैंपियन बनीं अमृतसर



मोहाली। अमृतसर सूचना ने लुधियाना लार्ड्स को 8 विकेट से हराकर शेर-ए-पंजाब टी20 लीग का खिताब जीता। अमृतसर की टीम ने टीस जीतकर पहले गेंदबाजी ने करते हुए लुधियाना लार्ड्स को 20 ओवरों में 142 रन से बचाने दिए। लुधियाना का कोई भी बल्लेबाज टिककर नहीं खिल पाया। एक समय उर्वरक स्कोर सात विकेट पर 86 रन था। अमृतसर की तरफ से मयंक मार्केडे ने 17 रन देकर तीन विकेट लिए।

सीरीज जीत के करीब टीम इंडिया, पांचवें गेंदबाज की कमी बनी सिरदर्द

नई दिल्ली

पहले मैच में यदु जीत से उत्साहित भारतीय टीम अफगानिस्तान के खिलाफ मंगलवार को होने वाले दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में जीत दर्ज करके बुधवार में अजय वदत शामिल करने की कोशिश करेगी और इस दौरान पांचवें गेंदबाज की समस्या का समाधान भी निकालना पड़ेगा। हार्दिक पंड्या के पोटल होने के कारण भारतीय टीम में पांचवें विश्वस्तरीय गेंदबाजी विकल्प की कमी महसूस हो रही है। विश्व कप विजेता भारत ने रविवार को बहादुरी मुकबले में अफगानिस्तान को 7 विकेट से हराकर खेल के सबसे छोटे प्रारूप में शानदार पाकरी की।



टीम इंडिया में पांचवें गेंदबाज की समस्या

भारत को इन गेंदबाजों के अतिरिक्त होने वाले छविदाई खेलने से पहले पांचवें गेंदबाज की समस्या का समाधान करना होगा। अजय वदत को उखाड़ कर अरपाई करने में काशी गंधर्वास्त करने पड़ी क्योंकि अरपाई उदर शिरान दुहे और खोले कुमर रेड्डी अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर रहे थे।

आज शाम 7.30 बजे से दूसरा टी-20

ओवरों में 30 रन लुटकर जबकि अतिरिक्त ओवर में नंबर सातवें वाले दुहे ने 21 रन दिए। अतिरिक्त में भी पाठ लेकर दिया। इन तरह खेलने से निराकर अजय वदत ओवरों में 59 रन लुटकर। अरपाई बुधवार, अहमद पटेल और पांडेयों के उदर प्रदर्शन से भारत को पांचवें गेंदबाजों के विकल्पों का खतरा पड़ने का भी नहीं छोड़ें। लेकिन अजय वदत टीम को इतना खराब प्रदर्शन मुहैया पड सकता है।

एशियन गेम्स

हरियाणा के सात शूटर पदक पर साधेगे निशाना

भारत की 30 सदस्यीय शूटिंग टीम का ऐलान

रोहताक

जापान के अडोल्फ-नोरीया में 25 सितंबर से 4 अक्टूबर 2026 तक आयोजित होने वाले एशियन गेम्स के लिए भारत की 30 सदस्यीय शूटिंग टीम का ऐलान कर दिया गया है। इस प्रतिष्ठित स्पर्धामु में देश का बेहतरीन शूटर वी जयदीप एकल शिवाजी मनु प्रानकर, अर्जुनपुत्र लक्ष्मी पटेल और ईश शिवाजी करेगे। भारतीय शूटिंग टीम इस बार भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का परचम लहराने के लिए पूरी तरह तैयार है। खेल के इस स्पर्धामु में खेल सत्रा हरियाणा का डेब्यू एक बार फिर देखने को मिलेगा। हरियाणा ने कुल 7 प्रतिभावाक शूटर भारतीय दल का

हिरा करे हैं। जो विश्व स्तरों में पदक के लिए अपनी धारदारों फेल करेगे। हरियाणा के इन सचरे खिलाड़ियों में राकेश और वी जयदीप शामिल हैं। पिछले कुछ वर्षों में राकेश के खिलाड़ियों ने एशियन गेम्स में लक्ष्य शानदार प्रदर्शन किया है। एशियन गेम्स 2026 में इन अनुभवी और युवा खिलाड़ियों के शामिल होने से भारतीय शूटिंग दल की पदक जीतने की संभावना काफी बढ़ गई है।

अजीश मजवाल मेच 25 नोर्थ रेंज पराट रिपटल उरई में अपनी ली और स्पोर्ट्स का प्रदर्शन करेगे।



अमृतसर शूटर : कुल 10 नोर्थ रेंज पराट रिपटल उरई में चुनने वाली और टीस की सुधार अनुभव करेगी।



अमृतसर शूटर : कुल 10 नोर्थ रेंज पराट रिपटल उरई में चुनने वाली और टीस की सुधार अनुभव करेगी।



अमृतसर शूटर : कुल 10 नोर्थ रेंज पराट रिपटल उरई में चुनने वाली और टीस की सुधार अनुभव करेगी।



अमृतसर शूटर : कुल 10 नोर्थ रेंज पराट रिपटल उरई में चुनने वाली और टीस की सुधार अनुभव करेगी।



अमृतसर शूटर : कुल 10 नोर्थ रेंज पराट रिपटल उरई में चुनने वाली और टीस की सुधार अनुभव करेगी।



अमृतसर शूटर : कुल 10 नोर्थ रेंज पराट रिपटल उरई में चुनने वाली और टीस की सुधार अनुभव करेगी।

एशिया कप टूर्नामेंट विवाद

मौजूदा परिस्थितियों में लिया गया फैसला : सैकिया

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने कहा कि महिला क्रिकेट टीम का एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के फलने दिवस हरियाणा की बेटी को एशिया कप टूर्नामेंट नहीं लेना बोर्ड का मौजूदा परिस्थितियों और भावनाओं की ध्यान में रखकर लिया गया 'सोया समझा संस्थागत' फैसला है। सैकिया ने कहा, 'हमने सभी मौजूदा पहलुओं पर विचार करते हुए सोच समझ का यह फैसला लिया था। हमने पहले ही एसीसी को अपनी स्थिति से अवगत करा दिया था कि इन परिस्थितियों में भारतीय टीम परस्पर विलक्षण समारोह में भाग नहीं लेगी।' उन्होंने कहा, 'देश में व्याप्त परिस्थितियों और भावनाओं पर गौर करते हुए बीसीसीआई को लगा कि टीम के लिए प्रस्तावित तरीके से टूर्नामेंट खान करना उचित नहीं होगा।' सैकिया ने कहा, 'यह एक दुर्द संस्थागत निर्णय था, जो हमारे रख को दर्शाता है। इसका मकसद खिलाड़ियों, टूर्नामेंट का खेल पर सवाल उठाना नहीं था।' पिछले साल ऑल में हुए आतंकी हमले के बाद में हमने देशों के बीच संश्लेषण रीन टकराव भी हुआ था।



देहरादून में छाई प्रदेश की बेटियां, जीते 6 पदक

रोहताक

उत्तराखंड के देहरादून स्थित महात्मा प्रताप सोर्ट्स कॉलेज में शुरू हुई 37वीं नॉर्थ जोन जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2026 के पहले दिन हरियाणा की बेटियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 6 पदक अपने नाम किए। प्रतिभागियों के पहले दिन हरियाणा के खाले में 1 स्वर्ण, 1 रजत और 4 कांस्य पदक आए। फरीदाबाद के मोहित प्रभागी खेल सत्यवीर धनखंड ने इस सफलता पर खुशी जताते हुए कहा कि हरियाणा की बेटियां कुल 4 बजे उठकर परीक्षा यज्ञां हैं और अपनी कड़ी मेहनत के फल पर देश-प्रदेश का नाम रोशन कर रही हैं। एथलेटिक्स हरियाणा के महासचिव प्रदीप मल्लिक, डीएस कमेटेटी एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के सदस्य राजकुमार मिदान और एथलेटिक्स हरियाणा के अध्यक्ष दिलवाग सिंह ने सभी विजेता खिलाड़ियों को उज्ज्वल भावियों के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

37वीं नॉर्थ जोन जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप



पदक जीतने वाली हरियाणा की होनहार बेटियां

अमृतसर शूटर : कुल 10 नोर्थ रेंज पराट रिपटल उरई में चुनने वाली और टीस की सुधार अनुभव करेगी।

अमृतसर शूटर : कुल 10 नोर्थ रेंज पराट रिपटल उरई में चुनने वाली और टीस की सुधार अनुभव करेगी।

सीनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप के चयन ट्रायल्स में काजल, नीलम और सिमरन जीतीं

नीशू का दमदार प्रदर्शन, फाइनल में पंघाल से भिड़त

नई दिल्ली

ब्रिभाभाशाली पहलवान नीशू ने सीनियर विश्व कुरुती चैंपियनशिप के लिए आयोजित राष्ट्रीय चयन ट्रायल में 53 किग्रा वर्ग में जीत हासिल कर एशियाई खेलों के लिए चुने गईं। नीशू ने इंडिया गॉल्ड स्टैंडिड में बेहद कड़ मुकाबले में थिरका को हराकर 53 किग्रा वर्ग में जीत दर्ज की। नीशू और अंशु कपूर के बीच होने वाला फाइनल ट्रायल यह तब करेग कि 24 अक्टूबर से एक नवंबर तक कलाकर्मस्तान के अरतला में होने वाली सीनियर विश्व कुरुती चैंपियनशिप में 53 किग्रा वर्ग में भात का प्रतिनिधित्व करेगा। भारतीय कुरुती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) को चयन नीति के तहत ट्रायल में जीतने वाले पहलवानों को एशियाई खेलों के लिए चुने गए पहलवानों को सीनियर विश्व चैंपियनशिप में जाहद बनाने के लिए ऑल ट्रायल में चुनने देने का नीति मिलेगा। वह अंशु ट्रायल बाद में आयोजित किया जाएगा।



चार गैर-ऑलिंपिक भार वर्गों के ट्रायल भी बाद में आयोजित किए जाएंगे।

काजल का शानदार प्रदर्शन जारी

दो बार की अंडर-20 विश्व चैंपियन काजल ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए 76 किग्रा वर्ग के फाइनल में विश्व की हराकर शीर्ष स्थान हासिल किया। सिमरन ने सर्वोच्च प्रदर्शन करते हुए स्थायी शिर्ष को फंडे मुकबले में हराकर 57 किग्रा वर्ग में शीर्ष स्थान हासिल किया। वहीं 50 किग्रा वर्ग के फाइनल में नीलम ने अंशु का हराकर पहला स्थान हासिल किया।

सुटि ने 68 किग्रा वर्ग में विभाशा को दी मात

अन्य भार वर्गों में तपस्वी ने 62 किग्रा वर्ग में अंशु को हराकर जीत दर्ज की जबकि सुटि ने 68 किग्रा वर्ग में विभाशा को मात दी। डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष संजय सिंह ने कहा, 'आज हुए मुकबलों का स्तर और इनमें हुई प्रतियोगिता दर्शातेहयन रही। पहलवानों ने जबरदस्त मुह संकल्प के साथ मुकबला किया और दिखाया कि विभिन्न भार वर्गों में प्रतिभाओं को कंडे कमी नहीं है।



क्या दांपत्य प्रेम की कोई एक्सपायरी डेट होती है

किसी भी दंपती के बीच प्यार-रोमांस हमेशा विवाह के शुरुआती समय की तरह बना रहे, यह मुमकिन नहीं है। बीते समय के साथ उनके प्यार के स्वरूप में बदलाव आ जाता है। प्यार का अंदाज रूग्मानी नहीं रहता। प्यार के इस बदले रूप को, दांपत्य जीवन की वास्तविकता को पति-पत्नी समझ नहीं पाते। उन्हें लगता है उनका प्यार एक्सपायरी डेट में पहुंच गया है। पति-पत्नी प्यार में हमेशा सराबोर रहे, इसके लिए उन्हें कुछ खास बातों का ध्यान रखना होगा।

कवर स्टोरी

पूरी कहे

शादी के पांच साल बाद एक दिन पत्नी ने अचानक पूछा, 'सुनिए, क्या आपको नहीं लगता कि अब हम पहले जैसे नहीं रहे?' पति मुसकुरा दिए, 'बोले, 'हां, पहले हम रात-रात भर प्यार में घूमी बातें करते थे। अब बिजली का बिल और बच्चों को फीस पर चर्चा करते हैं।' इस बात पर दोनों हंस पड़े। लेकिन यह हंसी अपने भीतर एक गंभीर प्रश्न भी समेटे हुए थी। क्या सचमुच संवे समय बाद रिश्ते में ऊब आ जाती है? क्या दांपत्य-प्रेम की भी कोई एक्सपायरी डेट होती है? या फिर इस प्रेम को केवल उसके शुरुआती रूप में पहचानते हैं, बाद में इसके बदलते स्वरूप को दृष्टि स्वीकार नहीं कर पाते?

जीवन और रिश्ते दोनों परिवर्तनशील हैं: आज के समय में दांपत्य रिश्ते की दूरी का सबसे बड़ा कारण केवल मतभेद नहीं, रिश्ते में वीरियत आना भी एक कारण है। दरअसल, हम प्रेम से पहले इसके प्रति एक उत्साह को अपेक्षा करते हैं, फिर जीवन भर इसी उत्साह को बनाए रखने की उम्मीद भी करते हैं, जबकि जीवन और रिश्ते दोनों ही परिवर्तनशील हैं।

प्रेम का स्वरूप बदलता है, खाल नहीं होता: हमने फिल्मों और कहानियों में प्रेम का जो चित्र देखा है, उसमें हर दिन सपनाइज और रोमांच होता है। लेकिन वास्तविक जीवन में प्रेम का दूसरा रूप भी होता है। वह सुबह की चाय पछाने में है, एक-दूसरे की

दवा का समय ध्यान रखने में है, आपकी धकन को बिना कहे समझ लेने में है। दांपत्य रिश्ते में दस वर्ष बाद जो प्रेम होता है, वह पहले वर्ष जैसा नहीं दिखता। उसका तापमान बदल जाता है। वह उन्माद से उतरकर विश्वास-भरोसे में बदल जाता है। समस्या यह नहीं कि प्रेम बदल जाता है। समस्या यह है कि हम उसके बदले स्वरूप को स्वीकार नहीं करते।

हम पार्टनर से नहीं, स्टडी पार्टनर से उबरते हैं: मनोवैज्ञानिक कहते हैं कि मनुष्य का मस्तिष्क नवीनता को पसंद करता है। यही कारण है कि नई नौकरी, नया शहर और नया रिश्ता हमें आकर्षित करता है। लेकिन कुछ समय बाद हर नई चीज सामान्य-सी लगती है। इसे मनोविज्ञान में 'हेडोनिक एडाप्टेशन' कहते हैं। यही बात रिश्ते पर भी लागू होती है, जो लाइफ पार्टनर कभी हमें सबसे अधिक रोमांचित करता था, वही कुछ वर्षों बाद हमारे स्टडी पार्टनर का हिस्सा बन जाता है। इसका अर्थ प्रेम का समाप्त होना नहीं है, बल्कि हमारे मस्तिष्क का उस सुख का अभ्यस्त हो जाना है। इसलिए यह समझना जरूरी है कि ऊब हमेशा रिश्ते से नहीं होती, कभी-कभी एकरसता से होती है।



ऐसे बनाए रखें अपने प्रेम का अहसास: रिश्ते बड़े मेंकों से नहीं, छोटे-छोटे पलों से जीवित रहते हैं। दिन में केवल दस मिनट बिना मोबाइल के एक-दूसरे से बात करें। सप्ताह में एक बार साथ टहलने जाएं। महीने में एक बार केवल आप दोनों के लिए समय निकालें। एक-दूसरे की तारीफ करने की आदत मत छोड़ें। पुराने दिनों की तस्वीरें और वादे साझा करें। कभी-कभी धन्यवाद और माफ करीज जैसे शब्द भी बोलें। हम अक्सर



मान लेते हैं, सामने वाला तो जानता ही है कि हम उससे प्रेम करते हैं, लेकिन प्रेम केवल महसूस नहीं कराया जाता, उसे समय-समय पर व्यक्त भी किया जाता है।

समझें दांपत्य जीवन की वास्तविकता: सबसे यह है कि क्या शादी के बाद रोमांस खत्म हो जाना स्वाभाविक है? नहीं, लेकिन उसका स्वरूप बदल जाना स्वाभाविक है। शादी के शुरुआती दिनों में प्रेम में समय अधिक और जिम्मेदारियां कम होती हैं। बाद में बच्चों की पढ़ाई, करियर, बुजुर्गों की देखभाल, आर्थिक चुनौतियां और सामाजिक दायित्व जीवन का हिस्सा बन जाते हैं। ऐसे में प्रेम का प्रदर्शन बदल जाता है। एक समय जो प्रेम गुलाब के फूलों में दिखाई देता था, वही बाद में आपके बिरतद के समथ चुपचाप चाय बनकर देने में दिखाई देता है।

यदि हम प्रेम को केवल उसके पुराने रूप में तलाशें तो हमें लगेगा कि वह कहीं खो गया है। रिश्ते को बचाने के लिए बड़े बदलाव नहीं, छोटी आदतें काफी हैं।

कभी-कभी दूरियां भी जरूरी हैं: हर समय साथ रहना ही अच्छे रिश्ते की निशानी नहीं है। एक स्वस्थ रिश्ते में दो संपूर्ण व्यक्तियों के लिए व्यक्तिगत स्पेस का होना जरूरी है ताकि वे अपने

शौक पूरे कर सकें। अपने मित्रों से मिलें, गपराप करें। कुछ समय स्वयं के लिए भी रख सकें। जब हम स्वयं के भीतर संतुष्ट होते हैं, तभी हम किसी रिश्ते को भी मजबूत बना पाते हैं। थोड़ा खिंच, दो अधूरे लोग मिलकर एक संपूर्ण रिश्ता नहीं बना सकते। दो संपूर्ण लोग मिलकर एक सुंदर-प्यार रिश्ता बनाते हैं।

प्रेम को दें ता ठो अर्थ: हम प्रेम को अक्सर केवल धड़कनों और सपनाइज तक सीमित कर देते हैं। जबकि जीवन के अंतिम पड़ाव पर लोग यह याद नहीं रखते कि उन्हें कितने गुलाब मिले थे। उन्हें यह याद रहता है कि कबितन दिनों में उनका हाथ किसने धामा था। शावद प्रेम का सबसे सुंदर रूप वही है, जिसमें शब्द कम और अपनपन अधिक होता है। इसलिए कोई निर्णय लेने से पहले एक प्रश्न स्वयं से पूछिए, 'क्या मैं सचमुच अपने लाइफ पार्टनर से ऊब गई हूँ?' उत्तर आपको चौंका सकता है।

बीता हुआ कल फिर से जिएं: एक-दूसरे का हाथ धामकर फुलिए कि ऐसा क्या है, जो फिर से नहीं हो सकता। एक ऐसे बीता हुआ कल फिर से जी लीजिए, यकीनन आपका दिल फिर प्यार से सबबेर हो उठेगा।

जब बच्चा माता-पिता से संवाद करने से बचने लगे

किशोरवय बच्चे अक्सर अपने माता-पिता से बहुत कम बात करते हैं, एक दूरी-सी बना लेते हैं, जबकि बच्चे के बहुमुखी विकास के लिए पैरेंट्स के साथ उनका निरंतर संवाद बहुत जरूरी है। बच्चे किन कारणों से पैरेंट्स से संवाद करने से बचते हैं? पैरेंट्स ऐसी स्थिति में क्या करें, एक जरूरी सलाह।

बच्चे और आप

नीलम अरोड़ा

बच्चा जब छोटा होता है, माता-पिता ही उसकी दुनिया होते हैं। माता-पिता अपने बच्चे की परवरिश में दिन-रात एक करते हैं। अपने बच्चे की पहली मुस्कान, उसका पहला कदम और उसका बोला पहला शब्द ही उनकी सबसे बड़ी खुशी होते हैं। वही बच्चा जब बड़ा हो जाता है, तो कई बार वह अपने पैरेंट्स से बहुत कम बात करने लगता है। कभी-कभी वह अपनी कोई भी बात नहीं बताता। धीरे-धीरे रिश्ते में संवाद कम होने लगते हैं। ऐसे में माता-पिता यही सोचते हैं कि उनसे कोई ऐसी गलती तो हुई है, जो उनका बच्चा उनसे बात नहीं करता। बच्चे और पैरेंट्स के बीच संवादहीनता की कई वजहों हो सकती हैं, इसे माता-पिता को समझना चाहिए और बच्चे से निरंतर संवाद बनाकर रखना चाहिए।



बच्चे गुजरते हैं कई तरह के बदलावों से: तेरह से अठारह साल के बच्चे मानसिक और भावनात्मक रूप से कई तरह के बदलावों से गुजरते हैं। वे अपने माता-पिता से कम, बाहर की दुनिया से ज्यादा प्रभावित रहते हैं। इस दौरान वे अपनी पहचान बनाने के लिए निरंतर मानसिक रूप से संघर्ष करते हैं। ऐसे में पैरेंट्स को चाहिए कि वे उनकी प्राइवसी का सम्मान करें। हर बात वे आपको बताए इसकी उम्मीद न करें, अपने बच्चे पर अपना विश्वास जताएं।

घर में कलह की स्थिति: बच्चे को अपने माता-पिता के साथ संवादहीनता की एक सबसे बड़ी वजह होती है, घर में कलह का माहौल। ऐसा माहौल पैरेंट्स की तुलना में बच्चे को कई गुना ज्यादा तनावग्रस्त करता है। उसे लगता है कि उसकी समस्याओं का निवारण कौन करेगा, जब पैरेंट्स खुद ही समस्याग्रस्त हैं। पैरेंट्स को चाहिए कि वे बच्चों के सामने लड़ाई-झगड़ा न करें, घर का वातावरण सकारात्मक रखें।

दोस्तों के साथ ज्यादा कनेक्ट: आजकल बच्चे



अपने माता-पिता से बातचीत कम करते हैं, अपने दोस्तों के साथ ज्यादा कनेक्ट रहते हैं, क्योंकि उन्हें दोस्तों के साथ ज्यादा अपनपन फील होता है। दोस्त चुंकि उनके हमउम्र होते हैं, इसलिए वे उनकी समस्याओं को ज्यादा गहराई से समझ पाते हैं।

बच्चे को ताने मारना: बच्चे अक्सर अपनी बातें पैरेंट्स से शरार करने से इसलिए भी बचते हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि उनकी बातों पर ध्यान नहीं दिया जाता और बताई गई बातों पर ताना दिया जाएगा। इसलिए वे अपने करियर, अपनी असफलताएं, पढ़ाई का तनाव और अपने रिलेशनशिप इत्यादि के बारे में पैरेंट्स से कुछ साझा नहीं करते। ऐसे में पैरेंट्स को चाहिए कि वे बच्चे को जज करने की बजाय उसकी उम्र और उसकी परिपक्वता के अनुसार उसकी

सुनें और उनकी भावनाओं का सम्मान करें।

दूसरों से तुलना: अक्सर पैरेंट्स अपने बच्चे की परफॉर्मेंस की तुलना दूसरों से करते हैं, इससे बच्चे में आत्मविश्वास कम होता है। पैरेंट्स को समझना चाहिए कि हर बच्चे की क्षमता अलग-अलग होती है। उसकी छोटी उपलब्धियों को बड़ी उपलब्धि में बदलने में पैरेंट्स को अपनी सकारात्मक भूमिका निभानी चाहिए।

बच्चे में हमेशा कमियां निकालना: कभी-कभी बच्चा अपने पैरेंट्स से अपनी बात कहने से इसलिए भी डरता है, क्योंकि वे हमेशा उसकी कमियां निकालते हैं। उसकी गलती पर वे उसे प्यार से समझाने की बजाय, डांटते हैं। इस तरह बच्चा धीरे-धीरे बात कहने से डरने लगता है। बच्चे को अपने पैरेंट्स सर्पोटिव और अपना घर सुनिश्चित लगना चाहिए।

सलाह

अंजू जैा

पारंपरिक सामाजिक धारणा रही है कि एक स्त्री मां बनने के बाद ही पूर्ण होती है। स्त्री जीवन के लिए मातृत्व को ही सबसे महत्वपूर्ण माना जाता रहा है। हालांकि नए दौर में, 'संतानहीनता' को अभिशाप नहीं माना जाता है। बहुत-सी महिलाएं अब मातृत्व के साथ अपनी अन्य भूमिकाओं को भी महत्व देने लगी हैं। समाज के साथ महिलाओं की सोच में भी यह बदलाव आ रहा है कि हर स्त्री अपने अपन में एक 'पूर्ण इकाई' होती है। वह किसी और को जन्म देकर ही नहीं, बल्कि अपने विचारों और कर्यों से भी संपूर्ण बन सकती है।

निष्ठा सकती हैं मेन रोल: अक्सर महिलाएं अपनी लाइफ में 'साइड रोल' में नजर आती हैं, उनकी पहचान किसी की पत्नी, किसी की बेटी या फिर किसी की मां की होती है। ऐसे में बहुत-सी महिलाओं का मानना है कि संतानहीन होना, उन्हें यह अवसर देता है कि वे अपनी जीवन-कथा की मुख्य कहानी बानी 'प्रोटागनिस्ट' बनी रहें। अपने जीवन का मुख्य पात्र होना खुद को यह बताने का तरीका भी है कि 'मैं खुद में संपूर्ण हूँ।' इस तरह संतानहीनता कोई खालीपन नहीं, बल्कि एक अलग तरह से भर हुआ जीवन का रूप हो सकता है।

सही नहीं अभिशाप मानना: समझने वाली बात यह है कि किसी स्त्री के लिए पूर्णता कोई ऐसी वस्तु नहीं है, जिसे बाहर से हासिल किया जाए। वह एक आंतरिक अवस्था है। संतान का होना या न होना एक व्यक्तिगत चारा का हिस्सा हो सकता है, लेकिन वह किसी स्त्री के चरित्र, उसकी योग्यता या उसकी ममता का अंतिम पैमाना नहीं हो सकता। एक निःसंतान स्त्री जब खुद को 'अभिशाप' मानने से इनकार कर देती है, तब वह समाज के सामने एक नई मिशाल पेश करती है। अपने

वजह वहे स्वेच्छक हो या स्वास्थ्य संबंधी, संतानहीनता को आज भी समाज में अक्सर अप्रैपेज से जोड़कर देखा है। लेकिन ऐसी सोच सही नहीं है। आप कभी-कभी धारणाओं को तोड़कर लोगों की प्रशंसा किए बिना पूरे विश्वास से गंतकर्मों के मुक्तिक जीवन जी सकती है।

अभिशाप या अधूरापन नहीं स्त्री का संतानहीन होना



होता है। ममत्व तो मन का कोमल भाव है, जिसे आप केवल अपने बच्चे पर ही नहीं मोद लिए गए बच्चे या अस-पास के अन्य बच्चों के प्रति भी प्रकट कर सकती हैं।

आगर आप हैं संतानहीन: समाजशास्त्री, व्यवहार विशेषज्ञ और मनोविज्ञानियों का मानना है कि अगर आप संतानहीन हैं, तो इसे अभिशाप मानकर हमेशा खुद को गम में डुबाए रखना सही नहीं है। इसे ग्रिहित को भी पॉजिटिव तरीके से बूझ किया जा सकता है।

अपने सपनों का निवेश: बच्चों की जिम्मेदारी न होना आपको ऐसा 'अतिरिक्त समय' देता है, जिसे आप अपने करियर, हॉबी और व्यक्तिगत विकास में निवेश कर सकती हैं। साथ ही बच्चों के पालन-पोषण की भारी खर्चों से मुक्त होकर, आप अपने आर्थिक संसाधनों का उपयोग घूमने-फिरने, नया कुछ सीखने या समाज के उन बच्चों की मदद करने में कर सकती हैं, जो मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं या जिन्हें वास्तव में जरूरत है। बच्चों के पालन-पोषण में लगने वाली मानसिक और शारीरिक ऊर्जा को आप सेल्फ-केयर और मानसिक शांति में लग सकती हैं। अनावश्यक मनसिक धकन से बच सकती हैं। इस तरह आपने खालीपन को पॉजिटिव तरीके से भर सकती हैं। कह सकते हैं कि संतानहीन होकर भी अच्छा जीवन जी सकते हैं।



स्किन केयर

सहजान हुदुय, कंसल्टेंट/डिप्टि

अपने होठों को खूबसूरत दिखाने के लिए लिपिस्टिक लगाना अधिकतर महिलाएं पसंद करती हैं। लिपिस्टिक मेकअप का ऐसा हिस्सा है, जिसके बिना पूरे चेहरे का मेकअप अधूरा ही माना जाता है, क्योंकि लिपिस्टिक लगाने से होठों की सुंदरता बढ़ जाती है। लेकिन क्या आपको पता है कि अलग-अलग रंगों की लिपिस्टिक अलग-अलग तरह के केमिकल्स से बनी होती हैं और आप होठों पर रंग की परत के साथ केमिकल लेयर भी चढ़ा रही होती हैं? ये ना सिर्फ आपके होठों की प्राकृतिक चमक और सुंदरता को प्रभावित करती है बल्कि आपको संतत के लिए भी बहुत नुकसानदायक होती है। लिपिस्टिक लगाने से होठों पर दुष्प्रभाव पड़ता है क्योंकि बाजार में उपलब्ध

लिप्स के लिए हार्मफुल है केमिकल बेस्ड लिपिस्टिक

अधिकोश लिप स्क्रिप्स और लिपिस्टिक में क्रोमियम, लेड, एल्युमिनियम, कैडमियम और कई अन्य हार्मफुल तत्व मौजूद पाए जाते हैं।

स्किन एलर्जी का कारण: लिपिस्टिक में मौजूद रसायनों की वजह से होठों में जलन, दाने या होठों के आसपास इन्फ्लेक्शन जैसी समस्या महसूस हो सकती है। साथ ही होठों के आस-पास की स्किन भी प्रभावित हो सकती है। ऐसा लिपिस्टिक में विस्मथ ऑक्सीक्लोरोहाइड नामक केमिकल की वजह से हो सकता है। लिपिस्टिक में रंग बनाने के



लिए मैंगनीज, लेड और कैडमियम का इस्तेमाल किया जाता है, जिसकी वजह से होठों की एलर्जी हो सकती है, आपके होठ काले पड़ सकते हैं और वो बार-बार सूख कर फट सकते हैं। लिपिस्टिक के ज्यादा इस्तेमाल से स्किन के छिद्र बंद हो जाते हैं।

इंटरनल हेल्थ के लिए हार्मफुल: लिपिस्टिक का इस्तेमाल करने से पेट संबंधी रोगों का खतरा बढ़ जाता है। होठों पर लगाई जाने वाली लिपिस्टिक कभी-कभी भोजन करने के दौरान पेट में चली जाती है, जिसकी वजह से

इसमें मौजूद केमिकल शरीर के अंदर प्रवेश कर जाते हैं। इससे शरीर में संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है और शरीर के अंदरूनी अंगों को नुकसान भी हो सकता है। केमिकल युक्त लिपिस्टिक के बार-बार होठों पर लगाने से यह पेट में पहुंचकर परेशानी पैदा कर सकती है। जिसमें आपको पेट दर्द, किडनी और लिवर की भी समस्या हो सकती है।

बचने के उपाय: इन समस्याओं से बचने के लिए ज्यादा देर तक होठों पर लिपिस्टिक लगाने की बजाय आप रोजाना नारियल का तेल, शहद या एलोवेरा जेल लगाएं। इससे होठ मुलायम रहेंगे। जब भी लिपिस्टिक लगाएं तो सबसे पहले होठों पर बाम लगाएं। इससे होठों को होने वाले नुकसान को कम किया जा सकता है। लिपिस्टिक लगाने से पहले इसकी एक्सपायरी डेट और इंफॉर्मेट्स जरूर चेक कर लें। रोजाना लिपिस्टिक लगाने की बजाय किसी लोपर, फंडेशन या विशेष अवसर पर ही लिपिस्टिक लगाएं।

डाइट संशोधन

लक्ष्मी गोयल

आजकल की भाग-वैद भारी लाइफस्टाइल में पिजा, बर्गर, चिप्स और पैकेज्ड फूड्स डाइट का हिस्सा बनते जा रहे हैं। लेकिन इससे सबसे बड़ा नुकसान यह हो रहा है कि हमें जरूरी पोषक तत्व फाइबर नहीं मिल पाता है। इससे कब्ज, थकान और मोटापे जैसी परेशानियां बढ़ती हैं। हेल्दी रहने के लिए फाइबर से भरपूर डाइट लेना क्यों जरूरी है और फाइबर युक्त आहार के लिए डाइट में क्या शामिल करें, इस बारे में जरूरी संज्ञाएं।

फाइबर का रोल: फाइबर रीच फूड्स के सेवन से मेटाबॉलिज्म बूस्ट होता है। फाइबर न केवल डाइजेशन को सही रखता है बल्कि भूख को भी लंबे समय तक कंट्रोल करता है और वेटलॉस में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके अलावा डाइट में फाइबर लेने से वैड कोलेस्ट्रॉल कम होता है, ब्लड शुगर कंट्रोल में रहता है, धनर्जी लेवल बाकरार रहता है, पचन क्रिया बेहतर होती है, इम्यून सिस्टम मजबूत बनता है, स्किन ग्लो करती है और हार्ट प्रॉब्लम्स से भी बचाव होता है।

डाइजेशन सही रखने के साथ ही ब्लड शुगर और कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करने में फाइबर इंपॉर्टेंट रोल निभाता है। इसलिए अपनी डेली डाइट में फाइबर को जरूर शामिल करें।

डाइट में शामिल करें फाइबर आप रहेंगी हेल्दी

फाइबर रीच फूड खाने का सही समय: फाइबर रीच फूड, दिन के किसी भी समय लिया जा सकता है, लेकिन सुबह या दोपहर में लेना सबसे फायदेमंद रहता है क्योंकि इस समय पाचन सबसे एक्टिव होता है। रात में भारी फाइबर फूड खाने से डाइजेशन धीमा हो सकता है।



फाइबर की कमी के लक्षण: शरीर में फाइबर की कमी होने पर कई लक्षण दिख सकते हैं। आपको इन लक्षणों पर नजर रखनी चाहिए। फाइबर की कमी होने पर गैस, एसिडिटी और कब्ज की समस्या बनी रहती है। खाना खाने के एक-दो घंटे बाद ही अगर भूख महसूस हो तो यह भी भोजन में फाइबर की कमी का संकेत हो सकता है।

फाइबर की कमी के नुकसान: डाइट में फाइबर की कमी होने से शरीर में कई गंभीर

बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। फाइबर शरीर में ब्लड शुगर के लेवल को धीरे-धीरे रिलीज करने में मदद करता है। फाइबर की कमी होने से ब्लड शुगर अचानक बढ़ता और घटता है, जिससे दिन भर थकावट, सुस्ती और कमजोरी महसूस होती है। फाइबर आंतों में जाकर खराब कोलेस्ट्रॉल को सोख लेता है और शरीर से बाहर निकालने में मदद करता है। फाइबर की कमी से शरीर में कोलेस्ट्रॉल का लेवल बढ़ने लगता है।

फाइबर रीच फूड्स: सब्जियों के अलावा ओट्स, ब्राउन राइस, सबुत अनाज, दालें, नट्स, सेब, केला और चिप्स सोड्स से भी फाइबर मिलता है। रोज सुबह ओट्स या फ्रूट स्लाइड लेने से फाइबर की जरूरत का बड़ा हिस्सा पूरा हो सकता है। इनके अलावा चोकर वाले आटे, मल्टीग्रेन अटा, दलिया, ब्राउन राइस और छिलके वाली दालें (जैसे सबुत मूंग, चना, राजमा) में भरपूर फाइबर होता है। फाइबर के बेहतरीन स्रोत सेब, अमरुद, नाशपाती, संता और पीपल जैसे फल होते हैं। कच्चा सलाद (खीरा, गाजर, चुकंदर, पत्ताभेंजी, टमाटर), बादाम, अखरोट, अलसी के बीज और चिया सोड्स से भी हमें फाइबर मिलता है। फाइबर शरीर में तभी सही से काम करता है, जब पर्याप्त मात्रा में पानी पिया जाता है। इसलिए डाइट में फाइबर की मात्रा बढ़ाने के साथ-साथ दिन में कम से कम 8-10 गिलास पानी जरूर पीना चाहिए।

(डाइटीशियन शोला सहरावत से बातचीत पर आधारित)

